लखनऊ

शनिवार, 21 मार्च, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 209

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"सफलता का असली आनंद वही ले सकता है जिसने अंधेरों में भी खुद पर विश्वास की लौ जलाए रखी हो।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

पाकिस्तान की नापाक साजिश! ISI अब म्यांमार में तैयार कर रहा आतंकी कैंप, तुर्की का भी सपोर्ट

ढाका, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की ओर से गिरफ्तार किए गए एक अमेरिकी और 6 यूक्रेनी नागरिकों के सोशल मीडिया अकाउंट से कई बड़े खुलासे हुए हैं। इन आरोपियों के सोशल मीडिया अकाउंट से यह पता चलता है कि म्यांमार के ट्रेनिंग कैंपों में अल्लाह हू अकबर जैसे नारे गूंज रहे हैं और वहां लोगों को भारत के खिलाफ आतंक से जुड़ी गतिविधियों से जुड़ी ट्रेनिंग दी जा रही है। इस नेटवर्क को तुर्की की एजेंसी का भी समर्थन मिल रहा है। सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI एक बार फिर भारत विरोधी अभियान को बढ़ावा दे रही है और अपने गुप्त ऑपरेशनों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इसके तहत अलग-अलग देशों में अपने डेस्क बनाकर आतंकी मॉड्यूल भी तैयार किए जा रहे हैं। खुफिया जानकारी जुटाई जा रही है और स्थानीय एजेंसियों में घुसपैठ की कोशिश हो रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किए गए इन 7 विदेशियों के मोबाइल फोन डेटा के विश्लेषण के लिए भेजे गए हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले इन संदिग्धों की बड़ी साजिश का पता लगाया जा सके। सूत्रों का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क को तुर्की की एजेंसी NIO का भी खुलकर समर्थन मिल रहा है। यह तरीका पहले श्रीलंका में भी अपनाया गया था। इससे पहले श्रीलंका में ऐसा ही एक नेटवर्क बनाया गया था, जिसे बाद में भारतीय एजेंसियों ने पकड़ लिया था।

भारत में बैक टू बैक भूकंप के दो झटके, घरों से बाहर निकले लोग

नईदिल्ली। भारत में एक बार फिर भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार तड़के सिक्किम के गंगटोक में भूकंप के दोनों झटके महसूस किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों भूकंपों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3।6 और 2।7 दर्ज की गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, 3।6 तीव्रता का भूकंप सुबह 4:26 बजे गंगटोक से लगभग 10।7 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 5 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया, जबकि दूसरा भूकंप शहर से 11।2 किलोमीटर पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों ने बताया कि हिमालयी राज्य के किसी भी हिस्से से किसी के घायल होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। हाल के दिनों में देश-दुनिया के कई इलाकों में भूकंप की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी जा रही है। हमारी धरती के भीतर 7 टेक्टोनिक प्लेट्स हैं। ये प्लेट्स लगातार अपने स्थान पर घूमते रहती हैं। हालांकि, कभी-कभी इनमें टकराव या घर्षण भी होता है। इसी कारण धरती पर भूकंप की घटनाएं देखने को मिलती हैं। इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम जनजीवन को उठाना पड़ता है। भूकंप से मकानें गिर जाती हैं, जिसमें दबकर हजारों लोगों की मौत हो जाती है। भूगर्भ विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के कुल भूभाग के लगभग 59 फीसदी हिस्से को भूकंप के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। वैज्ञानिकों ने भारत में भूकंप क्षेत्र को जोन-2, जोन-3, जोन-4 व जोन-5 यानी 4 भागों में विभाजित किया है। जोन-5 के इलाकों को सबसे ज्यादा संवेदनशील माना जाता है, जबकि जोन-2 कम संवेदनशील माना जाता है।

हितों के टकराव का आरोप लगता... सीईसी पर सुनवाई से सीजेआई ने खुद को किया अलग

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। इस कानून के तहत मुख्य न्यायाधीश को चयन पैनल से हटा दिया गया था। सीजेआई ने खुद को सुनवाई से अलग करते हुए कहा कि मुझ पर हितों के टकराव का आरोप लगाया जाएगा।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने सुझाव दिया कि यह मामला किसी दूसरी बेंच के सामने जाना चाहिए। भूषण ने कहा कि शायद ये मेरी राय में सबसे अच्छा यही होगा कि इसे ऐसी बेंच के पास भेजा जाए जिसमें कोई भावी CJI न हो। साथ ही यह भी बताया कि जस्टिस बागची और जस्टिस पंचोली, दोनों ही CJI बनने

की कतार में हैं।

किसके पास भेजा जाना चाहिए ये मामला?

CJI सूर्य कांत ने जवाब दिया कि मुझे इस मामले को ऐसी बेंच के पास भेजना चाहिए, जिसमें शामिल जज CJI बनने की कतार में न हों। उन्होंने कहा कि तब कोई भी कुछ नहीं कह पाएगा। कोर्ट ने इस मामले को 7 अप्रैल, 2026 के लिए लिस्ट किया और इसे एक अलग से तय की जाने वाली बेंच के सामने रखा। चुनाव आयुक्त अधिनियम संसद द्वारा दिसंबर 2023 में पारित किया गया था।

यह सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के उस फैसले के कुछ महीने बाद आया, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि जब तक कोई कानून नहीं बन जाता, तब तक चुनाव आयुक्तों (ECs) की नियुक्ति एक ऐसे पैनल द्वारा की जानी चाहिए। इसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल हों। कोर्ट ने यह निर्देश यह सुनिश्चित करने के लिए दिया था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति स्वतंत्र तरीके से हो और उन पर कार्यपालिका का कोई प्रभाव न हो।कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि उसका यह फैसला तब तक लागू रहेगा, जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा कोई कानून नहीं बना लेती।

पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन को दी बधाई, कहा- और मजबूत करेंगे साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं।

थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8

फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी 'भूमजईथाई' ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं। अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग (कैनबिस) को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था। इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी। इस संघर्ष ने अनुतिन को अपनी राष्ट्रवादी छवि मजबूत करने और बहुमत हासिल करने का मौका दिया। अनुतिन के पिता चवरत चर्नविराकुल ने एक बड़ी निर्माण कंपनी 'सिनो-थाई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन' की स्थापना की थी। अनुतिन ने साल 2004 में अरबपति थाक्सिन शिनावात्रा के प्रशासन से राजनीति में कदम रखा था। साल 2007 में कोर्ट ने थाक्सिन की पार्टी को भंग कर दिया था। इसके बाद अनुतिन पर भी पांच साल के लिए राजनीति से प्रतिबंध लगा दिया गया था।

'भारत में एकजुट करने की शक्ति, रोक सकता है जंग'

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में कहा कि दुनिया में शांति तभी आएगी जब लोग स्वार्थ छोड़कर मिलकर रहने और अच्छे मूल्यों पर चलने लगेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया में चह रहे युद्ध को भारत ही रोक सकता है। भारत में सभी को एकजुट करने की शक्ति है। नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की

धर्म केवल शास्त्रों तक सीमित नहीं- भागवत

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है और स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही हासिल की जा सकती है। भागवत ने आचरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि धर्म केवल शास्त्रों तक सीमित नहीं रह सकता बल्कि यह लोगों के व्यवहार में भी दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत होती है। इसमें अक्सर व्यक्तिगत कठिनाई भी झेलनी पड़ती हैं। भागवत ने कहा कि भारत मानवता में विश्वास करता है। जबकि अन्य देश अस्तित्व के लिए संघर्ष और ताकतवर के टिके रहने के सिद्धांत को मानते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को संघर्ष नहीं, बल्कि सौहार्द की जरूरत है।

आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। संघ प्रमुख ने कहा कि वैश्विक संघर्षों की असली वजह ही स्वार्थ और वर्चस्व की चाह है। इसी के कारण दुनियाभर में संघर्ष हो रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भारत की 'सब एक हैं' की प्राचीन परंपरा ही विश्व को सौहार्द का मार्ग दिखा सकती है।

भागवत ने नागपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया 2,000 वर्षों से संघर्षों के समाधान के लिए विभिन्न विचारों के साथ प्रयोग करती रही है लेकिन उसे खास सफलता नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और श्रेष्ठता एवं हीनता के विचार अब भी मौजूद हैं।

भारत ही दुनिया के युद्धों को रोक सकता है- RSS चीफ

मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया आज विनाश की ओर बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। दुनिया में चल रहे युद्धों के बीच एक आवाज उठ रही है कि इन्हें भारत रोक सकता है। संघर्ष में कोई अर्थ नहीं, समन्वय में ही सच्चा अर्थ है। भारत में सभी को एकजुट करने की शक्ति है, लेकिन इसके लिए देश में धर्म का पालन होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत मानवता के दृष्टिकोण को मानता है, लेकिन विश्व के अन्य देश इस दृष्टिकोण को नहीं मानते, वे शक्ति को ही महत्व देते हैं। भारत का संविधान उसकी परंपरा को दर्शाता है, उसमें मौजूद चित्र हमारी सांस्कृतिक विरासत को दिखाते हैं। दुनिया में चल रहे युद्धों के बीच एक आवाज उठ रही है कि इन्हें भारत रोक सकता है।

भागवत ने बताया कैसे आएगी शांति- मोहन भागवत

आरएसएस प्रमुख ने शहर में कि भारत का प्राचीन ज्ञान सिखाता है कि सभी जुड़े हुए हैं और एक हैं। उन्होंने संघर्ष से सौहार्द और सहयोग की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान भी धीरे-धीरे इसी समझ की ओर बढ़ रहा है। यहां तक की धीरे-धीरे विज्ञान भी इसी तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म सिर्फ किताबों में नहीं होना चाहिए। भागवत का कहना है कि दुनिया में शांति तभी आएगी जब लोग स्वार्थ छोड़कर मिलकर रहने और अच्छे मूल्यों पर चलने लगेंगे।

सिजेआई ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया

नईदिल्ली,20 मार्च (आरएनएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सिजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। सिजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ को आज मामले की सुनवाई करनी थी, लेकिन सिजेआई ने खुद को इससे अलग करने का विकल्प चुना। यह मामला सीईसी की नियुक्ति और सेवा शर्तों को नियंत्रित करने वाले कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं से जुड़ा है।

बार एंड बेंच के मुताबिक, सिजेआई ने सुनवाई के दौरान कहा क्या मुझे इस मामले की सुनवाई करनी चाहिए? कोई मुझ पर हितों के टकराव का आरोप लगा सकता है। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने सुझाव दिया कि मामले को ऐसी पीठ

पश्चिम एशिया युद्ध पर फारूक अब्दुल्ला की बड़ी चेतावनी, बोले- पूरी दुनिया पर पड़ेगा इसका असर

जम्मू। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया, शांति और लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना की और कहा कि इस संघर्ष के वैश्विक परिणाम हैं। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए जेकेएनसी प्रमुख ने कहा कि अल्लाह इस युद्ध को समाप्त करे, शांति लाए और लोगों को आराम से जीने दे।।। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसलिए, युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त किया जाना चाहिए।

ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है। यह संघर्ष 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें ईरान के 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला

अली खामेनेई की भी हत्या कर दी गई थी। उनकी मृत्यु के बाद, पूर्व नेता के पुत्र मोजतबा खामेनेई को इस्लामी गणराज्य का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया। खबरों के अनुसार, ईरान रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर दबाव बना रहा है, जिसके परिणामस्वरूप तेल, गैस और समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए एक बढ़ता खतरा बना हुआ है।

आज सुबह विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में चल रही स्थिति पर चर्चा करने के लिए पांच विश्व नेताओं से बात की, संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया और ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की निंदा की। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बातचीत की। जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कल पांच विश्व नेताओं से बात की। उन्होंने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की। इन वार्ताओं में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने तनाव कम करने और उसके बाद शांति और स्थिरता की बहाली के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

केरल में राहुल गांधी बोले- जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा, जनता बदलाव के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में चुनाव का एलान हो गया है। चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा 'टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है।'

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ बदलाव लाने वाले युवा चेहरे भी शामिल हैं। यह पुरुषों और महिलाओं का एक ऐसा मजबूत समूह है, जो अपने चुनाव क्षेत्र की बारीकियों और समस्याओं को बहुत

अच्छी तरह समझते हैं।

वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केरल से अपने खास लगाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और मुझे जितना प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं। मैं हमेशा आपका साथी बनकर रहूंगा।'

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। जनता अब बदलाव चाहती है। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी बात सुने, उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए। उन्होंने वादा किया कि आने वाली यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर वे इस खूबसूरत राज्य के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि केरल जीतेगा और यूडीएफ नेतृत्व करेगा।

राहुल गांधी का यह संदेश कांग्रेस की ओर से 92 उम्मीदवारों की सूची जारी होने के एक दिन बाद आया है। केरल में नौ अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ताधारी एलडीएफ को कड़ी टक्कर देने के लिए कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी ने इस बार किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव के मैदान में नहीं उतारने का फैसला किया है। पार्टी ने अंदरूनी दबाव के बावजूद अपने राज्य स्तर के नेतृत्व पर ही भरोसा जताया है। कांग्रेस कुल 92 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बाकी सीटें यूडीएफ के अन्य सहयोगी दलों और कुछ निर्दलीयों के लिए छोड़ी गई हैं।

मुख्यधारा की मीडिया जिम्मेदार, समस्या बिखरा हुआ सोशल मीडिया... पुलिस के डिजिटल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए आज की अनियंत्रित सोशल मीडिया की वजह से "खराब होते माहौल" और डिजिटल युग में निष्पक्ष सुनवाई को लेकर बढ़ती चुनौतियों पर गहरी चिंता जताई। बेंच ने कहा कि जहां एक औपचारिक पुलिस नियमावली जांच एजेंसियों के "अति-उत्साही" बयानों पर रोक लगाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, वहीं न्याय का व्यापक दायरा तीसरे पक्षों और "बिखरे हुए" सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की वजह से तेजी से धुंधला होता जा रहा है।

गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा और असम सहित कई राज्यों में पुलिस अधिकारियों के आचरण पर चिंता जताने वाली जनहित याचिका पर

सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ संस्थाएं मीडियाकर्मी होने का भेष बदलकर ब्लैकमेलर का काम कर रही हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम। पंचोली की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है।

कोर्ट उस जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें अन्य बातों के अलावा, पुलिस की ओर से अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड की गई ऐसी पोस्ट के खिलाफ सख्त निर्देश देने की मांग की गई थी, जिनमें आरोपियों के चेहरे या पहचान उजागर होती है। या फिर उन्हें अमानवीय तरीके से दिखाया जाता है (जैसे हथकड़ी पहनाए हुए, रस्सियों से बंधे हुए, लाठियों से पीटे हुए, जमीन पर घुटनों के बल बैठे हुए या फिर घसीटे हुए या सीढ़ियों से नीचे खींचते हुए आदि)। CJI सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह डिजिटल गिरफ्तारी का एक वैकल्पिक रूप है। यह डिजिटल गिरफ्तारी का एक और रूप है, दुर्भाग्य से इसे अभी भी अपराध नहीं माना जा रहा है। बेंच ने आदेश दिया, "याचिकाकर्ता इस याचिका को वापस लेना चाहते हैं। चूंकि याचिकाकर्ता एक व्यापक याचिका दायर करना चाहते हैं, इसलिए वे कुछ संबंधित मुद्दों पर भी विचार कर रहे हैं। इसे एक नई याचिका दायर करने की स्वतंत्रता के साथ वापस लिया जाता है।" सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को एक संबंधित मामले में अनुपालन के परिणाम की प्रतीक्षा करने को कहा, "जहां सभी राज्य पुलिस बलों को आरोपी व्यक्तियों के अधिकारों का उल्लंघन करने वाली जानकारी के प्रकाशन पर रोक लगाने वाले दिशा-निर्देशों वाली नियमावली को लागू करने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।"

हम इसे कैसे नियंत्रित करें: SC

बेंच ने टिप्पणी की कि जहां एक औपचारिक पुलिस नियमावली जांच एजेंसियों के "अति-उत्साही" बयानों पर रोक लगाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, वहीं न्याय का व्यापक दायरा तीसरे पक्षों और "बिखरे हुए" सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कारण तेजी से धुंधला होता जा रहा है। सुनवाई के दौरान, जस्टिस बागची ने कहा, "मीडिया के साथ समस्या यह है कि मीडिया को लगता है कि उसे एक बाधा बनना चाहिए।

'देश में घरेलू एलपीजी और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध'

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण ऊर्जा की सप्लाई प्रभावित हुई है। जिसके दुनिया में ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं। भारत में भी इसका असर दिखने लगा है। हालांकि, सरकार ने आश्वासन दिया है कि देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि आज की स्थिति के अनुसार सभी रिफाइनरियां उच्चतम क्षमता पर संचालित हो रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि घरेलू एलपीजी उत्पादन जारी है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, देशभर में किसी भी वितरक (डिस्ट्रीब्यूटर) पर ड्राय-आउट की कोई सूचना नहीं है। प्राकृतिक गैस के संबंध में, सभी उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि जहां संभव हो, वे पीएनजी पर शिफ्ट करें। इस संबंध में राज्य सरकारों को भी पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है।

सुजाता शर्मा ने कहा कि शीर्ष 15 गैस क्षेत्रों में लगभग 13,700 से अधिक कनेक्शन दिए गए हैं और लगभग 7,500 उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग लगभग 93 प्रतिशत है और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड के माध्यम से की जा रही है। पैनिक बुकिंग में कमी आई है और कल लगभग 55 लाख रीफिल बुकिंग प्राप्त हुईं। उन्होंने कहा कि एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी सामान्य रूप से जारी है। वाणिज्यिक एलपीजी के लिए लगभग 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने आवंटन आदेश जारी किए हैं और पिछले एक सप्ताह में लगभग 11,300 टन वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति की गई है।

मौसम ने ली करवट, बूंदाबांदी व तेज ठंडी हवा से किसानों की बढ़ी चिंता

सुल्तानपुर। क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब सात बजे अचानक मौसम ने करवट ले ली आसमान में घनघोर बादल छा गए, गड़गड़ाहट के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। इसके बाद तेज ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई। मौसम के इस अप्रत्याशित बदलाव से आमजन को गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ गई है। तेज हवा और हल्की बारिश का असर खेतों में साफ दिखने लगा है। हाल ही में सिंचाई की गई गेहूं समेत अन्य फसलों के गिरने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, पककर तैयार खड़ी सरसों की फसल को भी नुकसान पहुंचने की संभावना है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम का यही मिजाज कुछ देर और बना रहा तो फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। अचानक बदले मौसम को लेकर ग्रामीण इलाकों में चर्चा का माहौल बना रहा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की प्रेमानंद से मुलाकात, महाराज को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

आर्यावर्त संवाददाता

वृंदावन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दूसरे दिन आज शुक्रवार को विख्यात संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की और उनके साथ आध्यात्मिक चर्चा भी की। अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति आज ही वृंदावन में बाबा नीम करोली की समाधि पर भी जाएंगी और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। साथ ही वह वृंदावन में उड़िया बाबा आश्रम और देवनाल कुंड भी जाएंगी।

राष्ट्रपति मुर्मू कल गुरुवार (19 मार्च) से उत्तर प्रदेश के 3 दिन दौरे पर हैं। वह गुरुवार को अयोध्या में दर्शन-पूजन के बाद मथुरा पहुंचीं, जहां उन्होंने मंदिरों में पूजा-अर्चना

की और कई अन्य कार्यक्रमों में शामिल भी हुईं। राष्ट्रपति ने आज सुबह कई आध्यात्मिक कार्यक्रमों से दिन की शुरुआत की।

राष्ट्रपति मुर्मू मथुरा में वृंदावन धाम के राधा केली कुंज स्थित संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं। अधिकारियों ने बताया कि मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने संत के प्रवचन भी सुने। यह हफ्ता इसलिए भी खास है क्योंकि कल गुरुवार को संत प्रेमानंद महाराज का जन्मदिन भी था।

कल गोवर्धन की परिक्रमा करेंगी राष्ट्रपति

श्री हित राधा केली कुंज में राष्ट्रपति ने प्रेमानंज महाराज से आध्यात्मिक मामलों पर चर्चा की और उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम भी किया। संत प्रेमानंद ने हर्षित मुद्रा में राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। मुलाकात के दौरान मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज को जन्मदिन की बधाई भी दी। राष्ट्रपति मुर्मू आज ही रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम (धर्मार्थ अस्पताल) के नए ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगी, साथ ही वात्सल्य ग्राम का दौरा भी करेंगी। वह अगले दिन शनिवार को गोवर्धन में दंघाटी मंदिर में दर्शन-पूजन और आरती में शामिल होंगी। वह गोवर्धन की परिक्रमा भी करेंगी।

कल शाम अयोध्या से मथुरा पहुंचीं राष्ट्रपति

इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू कल गुरुवार शाम मथुरा स्थित कैंट हेलीपैड पहुंचीं जहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ-साथ प्रदेश के कई मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने वृंदावन में इस्कॉन मंदिर में दर्शन किया और आरती में हिस्सा भी लिया। इस्कॉन में नाम संकीर्तन पाठ के दौरान राष्ट्रपति का स्वागत किया गया। इस्कॉन मंदिर के मीडिया प्रभारी पवन दूबे ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वामी प्रभुपाद की समाधि पर श्रद्धांजलि दी और फिर वह आरती में भी शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने इस्कॉन के गौर नितई, कृष्ण बलराम और श्याम सुंदर मंदिर में भी पूजा की और वहां आरती की। वह कई विदेशियों के साथ महिला श्रद्धालुओं द्वारा प्रस्तुत एक कार्यक्रम में भी शामिल हुईं। मथुरा में पहले दिन राष्ट्रपति ने गुरुकुल के बच्चों को टॉफियां और चॉकलेट दिए और उनसे कुछ देर तक बातचीत भी की। पवन दूबे ने बताया कि भारी बारिश की वजह से गौ पूजन का कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू कल अयोध्या में राम मंदिर गई थीं, जहां उन्होंने कई विशेष धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और 150 किलोग्राम की स्वर्ण परत चढ़ा श्रीराम यंत्र भी स्थापित किया था।

सड़क हादसे में एक परिवार के तीन लोग घायल

सुल्तानपुर। शुक्रवार को एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। यह दुर्घटना धम्मौर थाना क्षेत्र के महेशरगंज पुलिया के पास हुई, जहां एक बोलेरो ई-रिक्शा से बचने के प्रयास में सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। घायलों की पहचान राहुल कुमार गुप्ता, उनके पिता राकेश गुप्ता और माता सरोज देवी के रूप में हुई है। राहुल के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर आया है। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया है। पीड़ित राहुल कुमार गुप्ता ने बताया कि वे अपनी कार से लगभग 40 किमी/घंटा की रफ्तार से जा रहे थे। इसी दौरान एक ई-रिक्शा चालक ने गलत तरीके से ओवरटेक करने का प्रयास किया। ई-रिक्शा से बचने के प्रयास में उनकी कार सड़क किनारे एक पेड़ के ठूंठ से टकरा गई, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

अस्पताल के पास इलाज से पहले जाम का टेस्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। स्वशासी मेडिकल कॉलेज के 100 मीटर के दायरे में अगर आप समय पर पहुँच गए तो समझिए आपने आधी जंग जीत ली। क्योंकि बाकी आधी जंग तो बेतरतीब खड़े वाहनों के बीच रास्ता खोजने में ही निकल जाती है। दोनों दिशाओं में वाहनों का ऐसा स्वागत द्वार बना है कि एम्बुलेंस भी जाम में फँसकर अपनी सायरन की लाचारी बयां करती नजर आती है।

उधर मुख्य मार्ग पर धर्मपाल कॉम्प्लेक्स के बाहर का नजारा किसी स्थायी ट्रैफिक मेले से कम नहीं। सड़क मानो पार्किंग में तब्दील हो चुकी है, और पार्किंग खैर, वह तो खुद ही लापता है। कागजों में धर्मपाल कॉम्प्लेक्स की बेसमेंट पार्किंग मौजूद है, लेकिन हकीकत में वहां दुकानों ने ऐसा कब्जा जमाया है कि गाड़ियाँ नहीं, सिर्फ कारोबार खड़ा दिखता है। यानी पार्किंग के नाम पर दुकानदारी नक्शे में कुछ और, जमीन पर कुछ और। नियम शायद सिर्फ फाइलों में ही जाम होकर रह गए हैं। और बात यहीं खत्म नहीं होती। यह कॉम्प्लेक्स अब अवैध पैथोलॉजी और गैर-डिग्रीधारकों की शरणस्थली के रूप में भी मशहूर हो चुका है। इलाज के नाम पर यहां किस्मत का खेल ज्यादा और विज्ञान कम नजर आता है। सब कुछ खुली आंखों के सामने हो रहा है। जाम भी, अतिक्रमण भी और नियमों की खुलेआम अनदेखी भी। सवाल बस इतना है कि जिम्मेदारों की नजर कब खुलेगी या फिर वे भी इसी जाम का हिस्सा बन चुके हैं?

कौशांबी से गिरफ्तार सुहैल का लाल किला ब्लास्ट से क्यों जुड़ रहा नाम? जासूसी के आरोप में अब तक 15 अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का हाल ही में खुलासा हुआ है। जांच आगे बढ़ने के साथ ही गिरफ्तारियों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े 9 और संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे इस मामले में कुल गिरफ्तारियों की संख्या 15 तक पहुंच गई है। पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी हैं।

यह कार्रवाई 14 मार्च को ट्रांस हिंडन क्षेत्र में सामने आए जासूसी रैकेट के खुलासे के बाद की गई है। शुरुआती कार्रवाई में कौशांबी थाने की पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें एक महिला भी शामिल थी। जांच आगे बढ़ने पर अलग-अलग राज्यों से 9 और

संदिग्धों को पकड़ा गया है।

लाल किला ब्लास्ट से कनेक्शन

सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में शामिल सुहैल ने कथित तौर पर लाल किले के पास हुए एक विस्फोट के बाद मौके पर पहुंचकर वहां की तस्वीरें लीं और वीडियो बनाए और उन्हें लगातार पाकिस्तान भेजता रहा। उसे पहले से ही इस घटना की जानकारी दी गई थी और उसे निर्देश मिला था कि घटना स्थल की हर गतिविधि को रिकॉर्ड कर अपने आकाओं तक पहुंचाए।

आरोप है कि विस्फोट के बाद सुहैल ने मौके पर मौजूद घायलों और मृतकों के वीडियो भी बनाए। इतना ही नहीं, वह अस्पताल तक भी पहुंचा, जहां उसने घायलों के नाम, उनकी स्थिति और अस्पताल के अंदर के दृश्य रिकॉर्ड किए। ये सभी जानकारियां और वीडियो उसने पाकिस्तान में बैठे अपने संपर्कों को भेजीं। काम पूरा करने के बाद उसने अपने मोबाइल फोन को तोड़कर नष्ट कर दिया, ताकि कोई सबूत न बच सके।

सुहैल ने दो सीलबंद पार्सल दुबई भेजे थे

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान में बैठे सरफराज नामक व्यक्ति ने संभल निवासी सुहैल को इस काम के लिए निर्देश दिए थे। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि सुहैल ने दो सीलबंद पार्सल दुबई भेजे थे, जो उसे दिल्ली में सरफराज के एक सहयोगी द्वारा दिए गए थे। इन पार्सलों को उसने अपने आधार कार्ड के जरिए भेजा, लेकिन इनमें क्या सामग्री थी, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। फिलहाल, सभी गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। एजेंसियां यह जानने की कोशिश कर रही हैं कि सैन्य ठिकानों, रेलवे स्टेशनों और अन्य संवेदनशील स्थानों की वीडियो और जानकारी पाकिस्तान भेजने के पीछे उनका असली मकसद क्या था और इस नेटवर्क की जड़ें कहां तक फैली हुई हैं।

05 दिवसीय एक्सपोजर विजिट कर वापस लौटा विद्यार्थियों का 60 सदस्यीय दल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आज दिनांक 20 मार्च 2026 को समग्र शिक्षा माध्यमिक सुल्तानपुर द्वारा आउट ऑफ स्टेट एक्सपोजर विजिट का 60 सदस्यीय दल शांतिकुंज, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार तथा आईआईटी रुड़की का पांच दिवसीय भ्रमण कर वापस लौट आया। समग्र शिक्षा माध्यमिक उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में जनपद के राजकीय विद्यालयों से चयनित साथ मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रदेश के बाहर चयनित शिक्षण संस्थानों में रमन के लिए निर्देशित किया गया था जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह तथा जिला समन्वय अखिलेश पांडे द्वारा नोडल अधिकारी शैलेंद्र चतुर्वेदी तथा नोडल संगीता गुप्ता के नेतृत्व में 16 मार्च 2026 को केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सुल्तानपुर के प्रांगण से प्रधानाचार्य पल्लवी सिंह तथा जिला संबंधित अखिलेश पांडे द्वारा हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया गया। भ्रमण दल ने शांतिकुंज तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के परिसर का भ्रमण किया तथा वहां की गतिविधियों और उच्च शिक्षा के नवीनतम अवसरों से अवगत हुए। साथ ही आईआईटी रुड़की पहुंचकर सेंट्रल लाइब्रेरी, मुख्य भवन, कंप्यूटर आदि प्रयोगशालाओ तथा एलबीएस स्पोर्ट्स ग्राउंड का भ्रमण कर ख्यातिप्राप्त उच्च संस्थान की गतिविधियों, नई प्रौद्योगिकी और अनुसंधानों से अवगत हुए। यात्रा प्रभारी शैलेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि सभी सदस्यों ने भ्रमण में उत्साह तथा पूर्ण जिज्ञासा के साथ प्रतिभा किया और उच्च शैक्षिक संस्थानों की क्रियाकलाप और उत्तराखंड प्रदेश की संस्कृति से अवगत होकर लाभ प्राप्त किया।

कानपुर के थाने में चौकी प्रभारी ने पीट-पीटकर फाड़ डाला कान का पर्दा, हुए सस्पेंड

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में पुलिस का क्रूर रूप देखने को मिला है। यहां घरेलू विवाद की शिकायत पर पुलिस पहले पति को लेकर चौकी पर आई और फिर उसे इतना पीटा कि उसका कान का पर्दा फट गया। मामला शास्त्री नगर थाना क्षेत्र का है, जहां चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया है और अब विभागीय कार्रवाई भी होगी।

शास्त्री नगर की एक बुजुर्ग महिला ने बताया कि वह अपने छोटे बेटे के साथ रहती हैं। उनका बड़ा बेटा दूसरे शहर में नौकरी करता है। स्वास्थ्य ठीक न होने की वजह से छोटा बेटा अक्सर उनके ही कमरे में सो जाता है। इसी बात को लेकर बेटे और बहू के बीच तनातनी बढ़ गई। बहू ने इस पर शास्त्री नगर चौकी में शिकायत दर्ज कराई।

मंगलवार को चौकी से पुलिसकर्मी घर आए, लेकिन उस वक्त बेटा घर पर नहीं था। शाम को जब वह लौटा तो पुलिस ने उसे चौकी

बुला लिया। पीड़ित परिवार के अनुसार, चौकी पहुंचते ही प्रभारी पवन मिश्रा ने अन्य पुलिसकर्मियों-दारोगा अरुण त्रिवेदी, राजू खरवार, जसवंत सिंह और सुमित सिंह चौहान-के साथ मिलकर युवक की जमकर पिटाई की। इतनी मार पड़ी कि उसकी पीठ और कमर पर नीले-नीले निशान पड़ गए।

जब बुजुर्ग मां चौकी पहुंचीं तो उन्हें बेटे की हालत देखकर सदमा लग गया। उन्होंने उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले जाया। जांच में पता चला कि पिटाई से युवक के एक कान का पर्दा फट गया है, जिससे उसे सुनने में भी दिक्कत हो रही है।

मामले की शिकायत मिलने पर एसीपी स्वरूप नगर शिखर ने दोनों पक्षों-पीड़ित पति-पत्नी और चौकी के पुलिसकर्मियों से पूछताछ की। जांच में चौकी प्रभारी पवन मिश्रा दोषी पाए गए। डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया है। साथ ही विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। डीसीपी अतुल कुमार श्रीवास्तव ने कहा, "जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का काम लोगों की सुरक्षा करना है, किसी निर्दोष को प्रताड़ित करना नहीं।"

मुर्गा काटने वाले चाकू से की गई थी भाजपा नेता राजकुमार चौहान की हत्या, खुल गई कत्ल की पूरी कहानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा में बीते 17 मार्च को भाजपा नेता राजकुमार चौहान की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस की कई टीमें इस मामले में जांच कर रही हैं। इस हत्या के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। दोनों हत्यारोपियों ने भाजपा नेता राजकुमार चौहान की मुर्गा काटने वाले चाकू से हमला कर उनकी हत्या की थी। इतना ही नहीं, दहशत फैलाने के लिए दोनों आरोपी राज चौहान और विपिन यादव ने तमंचे से फायरिंग भी की थी।

इस घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू पुलिस ने बरामद कर लिया है। घटना के बाद दोनों आरोपियों ने खून से सने कपड़े जला दिए थे, वहीं अपने परिचित के पास तमंचा छुपाया था, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस उसके घर पहुंची थी, लेकिन वह घर से फरार था। पुलिस उसकी तलाश

कर रही है।

पुलिस की जांच में भाजपा नेता राजकुमार चौहान हत्याकांड में अहम सुराग हाथ लगा है। जांच के दौरान यह सामने आया है कि नामजद आरोपी दीपक गौड़ और मुख्य हत्यारोपी राज चौहान के बीच पिछले 6 महीने में करीब 35 बार फोन पर बातचीत हुई है। इस खुलासे के बाद पुलिस का शक और गहरा गया है।

पुलिस अंदाजा लगा रही है कि हत्या की काफी पहले से साजिश रची गई थी। बताते चलें कि मुख्य हत्यारोपी राज चौहान और विपिन यादव पुलिस गिरफ्त में हैं। एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र नाथ के अनुसार 6 महीने पहले मुख्य आरोपी राज चौहान नामजद आरोपी दीपक गौड़ की गाड़ी चलाता था। दोनों के बीच पुराने संबंध रहे हैं।

वारदात के दिन भी वह डंपर चलाने गया हुआ था...

राज चौहान इधर कुछ दिनों से किसी और का एक हजार रुपये रोजाना के हिसाब से डंपर चला रहा था। हत्या की वारदात के दिन भी वह डंपर चलाने गया हुआ था। देर रात जब वह घर नहीं पहुंचा तो उसकी मां ने फोन कर घर आने को कहा। उसने बताया कि उसका डंपर मिट्टी में फंस गया है और वह दूसरे दिन घर आएगा। दूसरे दिन 17 मार्च को राज चौहान ने अपने साथी विपिन यादव के साथ मिलकर भाजपा नेता राजकुमार चौहान की हत्या कर मौके से फरार हो गया था। पुलिस को मिली कॉल डिटेल से यह बात स्पष्ट हो रही है कि बीते 6 महीने में दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रही है। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त मुर्गा काटने वाले चाकू को बरामद कर जांच के लिए फॉरेंसिक लैब में भेज दिया है।

सबूत मिटाने की रची थी साजिश

दोनों हत्यारोपियों ने घटना को अंजाम देने के बाद सबूत मिटाने की साजिश रची थी। दोनों ने खून से सने कपड़ों को नष्ट करने की योजना बनाई और एक परिचित के माध्यम से कपड़े जला दिए, ताकि पुलिस को कोई ठोस सबूत न मिल सके। वहीं इस मामले में पुलिस ने कपड़ा जलाने में मदद करने वाले व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस यह जानकारी भी जुटा रही है कि इस घटना और साजिश में और कौन-कौन लोग शामिल थे और हत्या के पीछे की मुख्य वजह क्या थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारोपियों ने तमंचा गांव के ही रहने वाले सचिन यादव को दे दिया था। मामला प्रकाश में आने के बाद पुलिस की टीम सचिन यादव की तलाश में जुट गई है। एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र नाथ ने बताया कि पुलिस की 8 टीमें इस मामले की जांच में लगी हुई हैं। हर पहलू की जांच की जा रही है। इस हत्या में शामिल अन्य दो लोगों के नाम भी सामने आए हैं। उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में प्रॉपर्टी खरीदना हो सकता है महंगा, आज हो सकता है अहम फैसला

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में प्रॉपर्टी खरीदने की सोच रहे लोगों को झटका लग सकता है। 20 मार्च को होने वाली यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में संपत्ति की कीमतों में बढ़ोतरी पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। यह बैठक प्राधिकरण के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में होगी, जिसमें आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के साथ-साथ कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, पिछले साल की तरह इस बार भी प्राधिकरण संपत्ति के दरों में 10 से 35 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकता है। अगर यह प्रस्ताव पास होता है, तो प्लॉट, फ्लैट और औद्योगिक जमीन की कीमतों में सीधा असर देखने को मिलेगा। इससे नए खरीदारों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है, जबकि निवेशकों के लिए यह एक बहुत बड़ा फायदे का सौदा भी माना जा रहा है। बोर्ड बैठक में आगामी वित्त वर्ष के लिए करीब 12 हजार करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी मिलने की संभावना है। यह बजट मुख्य रूप से जमीन खरीद, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और नई परियोजनाओं को गति देने के लिए खर्च किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसमें से लगभग 7500 करोड़ रुपए सिर्फ भूमि अधिग्रहण पर खर्च किए जा सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, प्राधिकरण नए सेक्टरों में जमीन खरीदने और विकास कार्यों को तेज करने की योजना बना रहा है। इसके तहत सड़क कनेक्टिविटी और अन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए जा सकते हैं। इससे पूरे क्षेत्र में रियल एस्टेट की गतिविधियों को और गति मिलेगी। बैठक में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क जैसे बड़े प्रोजेक्ट पर भी फैसला लिया जा सकता है। अलीगढ़ और मथुरा क्षेत्र में इस तरह की परियोजनाओं को विकसित करने की योजना प्राधिकरण कर रहा है, जिससे उद्योग विकास को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा जापानी, कोरियन और सिंगापुर सिटी जैसे निवेश प्रस्तावों को भी आगे बढ़ाने पर चर्चा हो सकती है। इसके साथ ही सिंगापुर सिटी और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट में आवंटियों को राहत देने और निर्माण अवधि बढ़ाने के प्रस्ताव भी सामने रखे जा सकते हैं, जिससे निवेशकों को प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा और योजनाओं को धरातल पर उतारने में आसानी होगी।

गांव और किसानों के लिए भी हो सकती हैं बड़ी घोषणाएं

प्राधिकरण गांव के विकास और किसानों को मिलने वाले लाभों पर भी ध्यान दे रहा है। कई बार किसानों ने इस तरह के मुद्दे उठाए हैं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण अब किसानों को 7 प्रतिशत आबादी भूखंड देने और ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए बजट बढ़ाने पर विचार करेगा। इससे स्थानीय लोगों को सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है। वहीं सबसे बड़ी चिंता यह है कि अगर प्रॉपर्टी की कीमतों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव पास होता है, तो आने वाले समय में ग्रेटर नोएडा में प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो जाएगा। हालांकि विकास परियोजनाओं और बेहतर कनेक्टिविटी के चलते इस क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

क्या कहते हैं रियल एस्टेट से जुड़े लोग?

रियल एस्टेट से जुड़े विक्रम कसाना का कहना है कि जेवर एयरपोर्ट और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के कारण आने वाले वर्षों में इस इलाके की अहमियत और भी बढ़ेगी। उनका यह भी कहना है कि वह कई सालों से रियल एस्टेट का कारोबार कर रहे हैं, लेकिन जब से नोएडा एयरपोर्ट बनने की तैयारी शुरू हुई है, तब से बड़े-बड़े बिल्डर, औद्योगिक इकाइयां और स्कूल-कॉलेज बनाने के लिए लोग जेवर एयरपोर्ट के आसपास जमीन तलाश कर रहे हैं। उनके पास भी इस तरह की रोज दो-तीन पूछताछ आती हैं।

हैवान बना पति! पत्नी के हाथ-पैर बांधकर आंखों में डाला पेट्रोल, बाल काटकर सड़क किनारे फेंका

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद और एटा जिले से मानवता को झकझोर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति ने अपनी पत्नी पर शक के चलते क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं।जानकारी के अनुसार, मामला फिरोजाबाद जनपद के थाना एका क्षेत्र के हतौली गांव का है। यहां के रहने वाले योगेश की शादी लगभग चार वर्ष पूर्व एटा जिले के थाना रिजोर क्षेत्र स्थित गांव वैश्य खेरिया निवासी पूजा के साथ हुई थी।

पीड़िता के भाई लवकुश ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही योगेश अपनी पत्नी पूजा के चरित्र पर शक करता था और इसी बात को लेकर अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। आरोप है कि 15 मार्च की रात योगेश ने हैवानियत की हद पार करते हुए पूजा के हाथ-पैर बांध दिए और उसकी आंखों में पेट्रोल डाल दिया। इतना ही नहीं, करीब चार घंटे तक उसे बुरी तरह प्रताड़ित करता रहा और उसके सिर के बाल भी काट दिए। इस दौरान अन्य ससुरालीजन भी उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते रहे।

घटना के अगले दिन 16 मार्च की शाम करीब 6:30 बजे आरोपी पूजा को बेहोशी की हालत में गांव से करीब एक किलोमीटर दूर गोपालपुर के पास छोड़कर फरार हो गया।

स्थानीय लोगों ने की मदद

स्थानीय लोगों ने जब सड़क

किनारे एक महिला को बेहोशी की हालत में देखा, तो तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और पूजा को घर लेकर आए, जहां होश में आने के बाद उसने अपने साथ हुई पूरी आपबीती बताई।

इसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति समेत कुल 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी और पीड़िता को न्याय दिलाया जाएगा।

भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में ए के शर्मा ने पेश की यूपी की ऊर्जा उपलब्धियां

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ए के शर्मा ने भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में प्रतिभाग करते हुए उत्तर प्रदेश की ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। यह आयोजन यशोभूमि, नई दिल्ली में भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया।अपने संबोधन में ए के शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में तेजी से अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं को सस्ती, सतत और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उच्च मानकों पर कार्य कर रही है। बीते वर्ष गर्मी के दौरान प्रदेश ने देश की सर्वाधिक पीक डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा किया और इस वर्ष इससे भी अधिक मांग को पूरा करने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।उन्होंने बताया कि बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पिछले एक वर्ष में लगभग 4000 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता जोड़ी गई है, जबकि चालू वर्ष में 5000 मेगावाट से अधिक नई क्षमता स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा चुके हैं।मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत उत्तर प्रदेश प्रतिदिन सोलर इंस्टॉलेशन के मामले में देश में प्रथम स्थान पर है। इसके साथ ही राज्य में यूटिलिटी स्केल सोलर पार्क, पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (PSP) और बैटरी स्टोरेज सिस्टम पर तेजी से कार्य किया जा रहा है, जिससे भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को स्थायी रूप से पूरा किया जा सके।उन्होंने यह भी बताया कि ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 के तहत उत्तर प्रदेश ने उत्कृष्ट कार्य किया है और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-3 परियोजना को शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया गया है। राज्य के पावर प्लांट्स को अब तक के उच्चतम पीएलएफ (85%) पर संचालित किया जा रहा है, जबकि वितरण हानियों (AT&C Losses) में उल्लेखनीय कमी आई है।ए के शर्मा ने कहा कि प्रदेश में लगभग 20 प्रतिशत उपभोक्ताओं के यहां प्री-पेड स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और लाखों उपभोक्ता डिजिटल माध्यम से बिजली बिल का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक उपभोक्ता को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना है, जिसके लिए ऊर्जा क्षेत्र में लगातार सुधार, नवाचार और निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है।इस अवसर पर मनोहर लाल खट्टर सहित विभिन्न राज्यों के ऊर्जा मंत्री, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) नरेंद्र भूषण, चेयरमैन आशीष गोयल और प्रबंध निदेशक पंकज कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मलिहाबाद पुलिस की कार्रवाई : शादी का झांसा देकर युवती को बंधक बनाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पुलिस के थाना मलिहाबाद क्षेत्र में महिला सुरक्षा के प्रति सजगता दिखाते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने, बंधक बनाकर रखने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। कमिश्नरेट पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में महिला अपराधों के खिलाफ कड़ा संदेश गया है।पुलिस के अनुसार 18 मार्च 2026 को वादिनी द्वारा थाना मलिहाबाद में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि शिवप्रभात उर्फ टीटू निवासी ग्राम ढेढेमऊ उसकी पुत्री को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया और अपने घर में बंधक बनाकर रखा। आरोप यह भी है कि उसने युवती के साथ गलत कार्य किया, जबकि उसकी बहनें शिल्पी और संध्या ने पीड़िता को कमरे में बंद कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।इस मामले में थाना मलिहाबाद पर मु0अ0सं0 53/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। प्रारंभिक स्तर पर पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई थीं, लेकिन विवेचना के दौरान पीड़िता की आयु शैक्षिक अभिलेखों के आधार पर लगभग 18 वर्ष 9 माह पाई गई। इसके बाद न्यायालय में दर्ज बयान और तथ्यों के आधार पर पॉक्सो एक्ट की धाराओं को विलोपित कर दिया गया।पुलिस टीम ने 20 मार्च 2026 को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवप्रभात उर्फ टीटू को ग्राम ढेढेमऊ क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को उसके अपराधों से अवगत कराते हुए नियमानुसार न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है।मामले में नामित अन्य सह-अभियुक्ताओं शिल्पी और संध्या के खिलाफ साक्ष्य संकलन की कार्रवाई जारी है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।पुलिस के मुताबिक अभियुक्त ने युवती को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले जाकर बंधक बनाया, उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। गिरफ्तार अभियुक्त मजदूरी का कार्य करता है और उसकी उम्र करीब 21 वर्ष बताई जा रही है।इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें सिपाही सुशील कुमार और विकास मलिक भी शामिल रहे।

ईद-उल-फितर पर लखनऊ में कड़ी सुरक्षा, नमाज स्थलों पर व्यापक पुलिस और ट्रैफिक व्यवस्था लागू

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ईद-उल-फितर के पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए लखनऊ पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध किए गए हैं। चांद दिखने के अनुसार 21 मार्च 2026 को मनाए जाने वाले इस पर्व पर बड़ी संख्या में लोग नमाज अदा करने के लिए शहर के प्रमुख स्थलों पर एकत्र होंगे, जिसे देखते हुए प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरती है।शहर के प्रमुख नमाज स्थलों में ऐशबाग ईदगाह, टीले वाली मस्जिद, आसिफी मस्जिद (बड़ा इमामबाड़ा) तथा ठाकुरगंज स्थित जामा मस्जिद शामिल हैं, जहां सुन्नी और शिया समुदाय के लोग अलग-अलग समय पर नमाज अदा करेंगे।पश्चिमी लखनऊ में सुरक्षा व्यवस्था के तहत वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसमें एक पुलिस उपायुक्त (DCP), पांच अपर पुलिस उपायुक्त (ADCP), दस सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) के साथ 47 निरीक्षक, 456 उपनिरीक्षक और 606 मुख्य आरक्षी/आरक्षी शामिल हैं। इसके अलावा यातायात प्रबंधन के लिए भी अलग से पुलिस बल तैनात किया गया है, जिसमें एक ADCP, तीन ACP, छह निरीक्षक, 33 उपनिरीक्षक, 102 आरक्षी और 54 होमगार्ड लगाए गए हैं। अतिरिक्त सुरक्षा के तौर पर 14 कंपनियां प्रांतीय सशस्त्र बल, वायरलेस यूनिट और स्थानीय खुफिया इकाई (LIU) की टीमें भी सक्रिय रहेंगी।भीड़भाड़ वाले इलाकों में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों के साथ एंटी रोमियो स्क्वॉड, पिंक पेट्रोल और डायल 112 की टीमें लगातार गश्त करेंगी।सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों की संयुक्त ब्रीफिंग कर ड्यूटी पॉइंट, रूट प्लानिंग और वीवीआईपी प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई है। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन और आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल भी आयोजित की गई है।तकनीकी स्तर पर भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। नमाज स्थलों और प्रमुख मार्गों पर 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है, जबकि सोशल मीडिया के माध्यम से भी लगातार नजर रखी जा रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन लागू किया गया है, जिसकी एडवाइजरी अलग से जारी की जाएगी।लखनऊ पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और जारी किए गए ट्रैफिक डायवर्जन का पालन करें, ताकि ईद का पर्व शांति, सौहार्द और गरिमा के साथ संपन्न हो सके।

बंथरा में दर्दनाक घटना : जहरीला पदार्थ सेवन से मां-बेटे की मौत, पिता की हालत गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना बंथरा क्षेत्र के ग्राम नीवा में शुक्रवार को एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा जहरीला पदार्थ सेवन करने की दर्दनाक घटना सामने आई है। डायल 112 उत्तर प्रदेश के माध्यम से मिली सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं जांच कार्य शुरू किया।मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि रूपनारायण चौरसिया (55 वर्ष), उनके पुत्र संदीप चौरसिया (30 वर्ष) और पत्नी तारावती (50 वर्ष) के मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे जहरीले पदार्थ के सेवन की पुष्टि हुई। गंभीर अवस्था में रूपनारायण को परिजनों द्वारा स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

इस हृदयविदारक घटना में संदीप चौरसिया और तारावती की मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस जांच में दोनों मृतकों के शरीर पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।पुलिस ने आवश्यक पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पुलिस के उच्चाधिकारी भी मौजूद रहे और पूरे घटनाक्रम की निगरानी करते रहे। वहीं फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया।जांच के दौरान मृतक संदीप की जेब से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर उसकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहनता से जांच की जा रही है।

• संक्षेप •

परिवहन निगम का बड़ा फैसला : अब 3 सदस्यीय होगी आर्बिट्रेशन समिति, संविदा कर्मियों के मामलों का होगा त्वरित निस्तारण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने संविदा चालकों और परिचालकों के अनुबंध क्रियान्वयन से जुड़े विवादों के त्वरित समाधान के लिए आर्बिट्रेशन समिति के गठन में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब तक 5 सदस्यीय समिति के स्थान पर 3 सदस्यीय आर्बिट्रेशन समिति गठित की जाएगी।परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि संविदा कर्मचारियों से जुड़े मामलों में बढ़ती संख्या और उनके निस्तारण में हो रही देरी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में चालकों और परिचालकों के अनुबंध संबंधी प्रकरण लंबित थे, जिनके समाधान में अपेक्षाकृत अधिक समय लग रहा था।अब तक लागू व्यवस्था के अनुसार आर्बिट्रेशन एक्ट 1996 की धारा 10(1) के तहत 5 सदस्यीय समिति बनाई जाती थी, जिसमें क्षेत्रीय प्रबंधक, सेवा प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त), वरिष्ठ सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक और सहायक विधि अधिकारी शामिल होते थे।नए प्रावधान के तहत अब समिति में क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ उपरोक्त अधिकारियों में से किसी दो को शामिल करते हुए 3 सदस्यीय समिति गठित की जाएगी। इस बदलाव से आर्बिट्रेशन मामलों में तेजी आएगी और संविदा चालकों व परिचालकों के विवादों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो सकेगा।सरकार का मानना है कि इस नई व्यवस्था से परिवहन निगम की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी और कर्मचारियों से जुड़े मामलों में पारदर्शिता व दक्षता बढ़ेगी।

ईद-उल-फितर पर अजय राय ने दी बधाई, आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की अपील

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने पवित्र पर्व ईद-उल-फितर के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।अपने संदेश में अजय राय ने कहा कि ईद-उल-फितर का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। यह पर्व त्याग, करुणा और जरूरतमंदों की सहायता करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि रमजान के पवित्र महीने के बाद आने वाली यह ईद समाज में शांति और सद्भाव को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक इस पावन अवसर पर आपसी मतभेदों को भुलाकर प्रेम और सौहार्द के साथ मिल-जुलकर त्योहार मनाएं और समाज में एकता एवं भाईचारे को और अधिक सुदृढ़ करें।उन्होंने कामना की कि यह ईद प्रदेश में खुशहाली, अमन-चैन और समृद्धि लेकर आए तथा सभी के जीवन में सुख, शांति और उन्नति का संचार करे।

यूपीटीईटी-2026 का विज्ञापन जारी, 27 मार्च से शुरू होंगे आवेदन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं के लिए बड़ी खबर है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)-2026 का आधिकारिक विज्ञापन जारी कर दिया गया है। आयोग की वेबसाइट पर 20 मार्च 2026 से विज्ञापन उपलब्ध करा दिया गया है।इस बार की परीक्षा में प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) दोनों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र में सुधार और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, और यूपीटीईटी-2026 इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए इस बार वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) व्यवस्था लागू की गई है। अभ्यर्थियों को पहले ओटीआर पूरा करना होगा, इसके बाद ही वे परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे फर्जीवाड़े पर रोक लगेगी और प्रक्रिया में तेजी आएगी।उप सचिव संजय कुमार सिंह ने जानकारी दी कि आवेदन प्रक्रिया 27 मार्च 2026 से शुरू होकर 26 अप्रैल 2026 तक चलेगी। अभ्यर्थियों को 1 मई 2026 तक आवेदन में संशोधन और शुल्क संबंधी समस्याओं के समाधान का अवसर भी दिया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर दुधवा में इको-टूरिज्म को बढ़ावा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस (21 मार्च) के अवसर पर उत्तर प्रदेश में इको-टूरिज्म को नई दिशा देने की तैयारी तेज हो गई है। तराई की समृद्ध जैव विविधता और हरियाली के लिए प्रसिद्ध दुधवा नेशनल पार्क को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सरकार ने 8.79 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी की है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगी।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस की थीम "वन और अर्थव्यवस्थाएं" है, जो वन संसाधनों को रोजगार, पर्यटन और आर्थिक विकास से जोड़ने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड इस दिशा में लगातार नवाचार कर रहा है।

दुधवा नेशनल पार्क के इंटरप्रिटेशन सेंटर के विकास के लिए लगभग 4.49 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत की गई है, जिसमें से 3.36 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इस परियोजना के तहत एक आकर्षक मुख्य प्रवेश द्वार, स्वागत कक्ष, नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर, कैंटीन, बहुउद्देशीय सभागार और पुस्तकालय का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। साथ ही थारू जनजाति की संस्कृति को दर्शाने वाले विशेष सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे, जिससे पर्यटकों को स्थानीय जीवन से जुड़ने का अवसर मिलेगा।इसी क्रम में लखीमपुर खीरी के महेशपुर वन रेंज को इको-टूरिज्म के रूप में विकसित करने के लिए 2.39 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी गई है, जिसमें से 1.78 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की गई है। यहां पेयजल सुविधा, बैठने के लिए विशेष स्थान, गज़ीबो, वर्षा जल संचयन प्रणाली, इंटरलॉकिंग पाथवे, 3D पशु आकृतियां और सेल्फी प्वाइंट विकसित किए जाएंगे।

महिगवां पुलिस की बड़ी कार्रवाई: नाबालिग से दुष्कर्म व धमकी देने वाले दो आरोपी 48 घंटे में गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ पुलिस के थाना महिगवां क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित, संवेदनशील और प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। कमिश्नरेट पुलिस की इस कार्रवाई को महिला एवं बाल अपराधों के प्रति शून्य सहनशीलता नीति का उदाहरण माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार 18 मार्च 2026 को वादिनी द्वारा थाना महिगवां में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि अभियुक्तों ने उनकी नाबालिग पुत्री को जबरन अपने साथ ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी दी। इस पर थाना महिगवां में मु0अ0सं0 34/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 137(2), 87, 70(2), 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5G/6 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया।

राजेश्वर सिंह का विपक्ष पर हमला, बोले— भारत की छवि धूमिल करने की हो रही कोशिश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि दोनों दल ऐसे कथानक को बढ़ावा दे रहे हैं, जो भारत की सभ्यता, संस्कृति और वैश्विक प्रतिष्ठा को कमजोर करने का प्रयास करते हैं।उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव द्वारा मां गंगा की पवित्रता पर दिया गया बयान दुर्भाग्यपूर्ण है और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को आहत करने वाला है। साथ ही राहुल गांधी द्वारा विदेशी संस्था यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम की रिपोर्ट का हवाला देकर भारत की छवि पर सवाल उठाना निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पहले ही इस रिपोर्ट को तथ्यहीन और प्रेरित बता चुकी है।डॉ. सिंह ने कहा कि भारत का संविधान अल्पसंख्यकों को विश्व में सबसे मजबूत संरक्षण प्रदान करता है। उन्होंने अनुच्छेद 25 से 30 तक धार्मिक स्वतंत्रता, धार्मिक संस्थानों के संचालन और शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने के अधिकार का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में सभी समुदाय सुरक्षित और सशक्त हैं।उन्होंने जनसंख्या आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 1951 में लगभग 9.8 प्रतिशत रही मुस्लिम आबादी 2011 में बढ़कर करीब 14.2 प्रतिशत हो गई है और आज देश में 20 करोड़ से अधिक मुस्लिम निवास करते हैं, जो विश्व की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी है। उन्होंने यह भी कहा कि ईसाई समुदाय देशभर में हजारों शिक्षण संस्थान और अस्पताल संचालित कर रहा है, जबकि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मुख्य न्यायाधीश जैसे सर्वोच्च पदों तक पहुंचे हैं।वैश्विक तुलना करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि अमेरिका में हर वर्ष बड़ी संख्या में घृणा अपराध दर्ज होते हैं, फ्रांस में धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं और चीन में धार्मिक स्वतंत्रता पर कड़े नियंत्रण हैं, जबकि भारत में अल्पसंख्यकों के लिए छात्रवृत्तियां, कल्याणकारी योजनाएं और धार्मिक स्वतंत्रता का व्यापक वातावरण उपलब्ध है।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी विदेशी रिपोर्टों के आधार पर भारत को बदनाम करने का प्रयास कर रही हैं, जो केवल राजनीतिक विरोध नहीं बल्कि देश की संवैधानिक और सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने की साजिश है।

'कौशल दर्पण' को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान, यूपी की डिजिटल गवर्नेंस को मिली नई पहचान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने डिजिटल गवर्नेंस और कौशल विकास के क्षेत्र में एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की अभिनव पहल 'कौशल दर्पण' को गोवटेक अवार्ड्स 2026 में 'एआई एवं डेटा विश्लेषण फॉर पब्लिक गुड' श्रेणी में प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया गया, जिसे अतिरिक्त निदेशक आशीष कुमार ने मिशन निदेशक पुलकित खरे की ओर से ग्रहण किया।प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस विजन को सशक्त करती है, जिसमें तकनीक के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने और शासन को अधिक पारदर्शी व परिणामोन्मुख बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। इकोनॉमिक टाइम्स समूह और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस मंच पर 'कौशल दर्पण' को सार्वजनिक हित में तकनीक के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण माना गया।

कौशल दर्पण' पहल प्रशिक्षण से लेकर रोजगार तक की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करती है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उपस्थिति, लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि और रोजगार की स्थिति का रीयल-टाइम विश्लेषण संभव हो सका है। इससे नीतिगत निर्णय अधिक सटीक और प्रभावी बन रहे हैं, जिसका सीधा लाभ युवाओं को मिल रहा है।यह प्लेटफॉर्म एक स्मार्ट गवर्नेंस टूल के रूप में विकसित हुआ है, जिसने कौशल विकास प्रणाली को पूरी तरह डेटा आधारित बना दिया है। अब एआई और डेटा विश्लेषण के माध्यम से यह स्पष्ट हो पाता है कि किस जिले में किस प्रकार के कौशल की मांग है और किस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।कौशल दर्पण' की खासियत इसका एकीकृत मॉडल है, जो सरकार, प्रशिक्षण संस्थानों और उद्योग जगत को एक मंच पर जोड़ता है। जिला स्तर पर कौशल अंतर का विश्लेषण, रोजगार अवसरों की जानकारी और प्रशिक्षण संस्थानों की श्रेणीबद्ध व्यवस्था ने गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा दोनों को बढ़ावा दिया है।मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि पहले कौशल संबंधी आंकड़ों की कमी एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन अब एआई आधारित इस प्रणाली से रीयल-टाइम डेटा उपलब्ध हो रहा है, जिससे प्रशिक्षण और रोजगार के बीच बेहतर संतुलन स्थापित किया जा सका है। यह पहल न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल के रूप में उभर रही है।

बीबीएयू में एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, डिजिटल भविष्य पर हुआ व्यापक मंथन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा "बुद्धिमान और सतत डिजिटल भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उभरती प्रौद्योगिकियाँ" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने इसमें सहभागिता कर एआई के विभिन्न आयामों पर अपने विचार रखे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। मंच पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. टी.वी. विजय कुमार, बीबीएयू के सलाहकार प्रो. मनोज जोशी, संकायाध्यक्ष प्रो. एम.पी. सिंह, विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. राजश्री, जर्मनी के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. विष्णु अनुराग, प्रो. आर.ए. खान सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे, जबकि सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) से डॉ. कुंदन मिश्रा ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।अपने संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, लेकिन इसका उपयोग किस दिशा में हो रहा है, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। उन्होंने कहा कि तकनीक के प्रवाह को रोका नहीं जा सकता, इसलिए इसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सहयोग जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को 'लर्न, अर्न और रीलर्न' के सिद्धांत को अपनाने का संदेश देते हुए निरंतर सीखने और स्वयं को अद्यतन रखने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने तकनीक के साथ आध्यात्मिकता, संतुलन और मानवीय मूल्यों को बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।प्रो. टी.वी. विजय कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि एआई का संतुलित और जिम्मेदार उपयोग जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकता है। उन्होंने इसे सहायक तकनीक के रूप में अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि अत्यधिक निर्भरता से निजता में कमी, रोजगार पर प्रभाव और मानवीय क्षमताओं में गिरावट जैसी चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं।जर्मनी से आए आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. विष्णु अनुराग ने चिकित्सा क्षेत्र में एआई के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रोबोटिक सर्जरी, एमआरआई और सीटी स्कैन के विश्लेषण तथा 3डी रिकंस्ट्रक्शन तकनीक के माध्यम से उपचार अधिक सटीक और प्रभावी हो रहा है। वहीं सिडनी से जुड़े डॉ. कुंदन मिश्रा ने बैंकिंग और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में एआई के बढ़ते प्रभाव और उससे उत्पन्न नई संभावनाओं एवं चुनौतियों पर चर्चा की।इस अवसर पर संगोष्ठी के सोवेनियर का विमोचन भी किया गया तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तीन तकनीकी सत्रों और एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें 'सामाजिक बदलाव में एआई की भूमिका' और 'कार्य का भविष्य एवं मानव-एआई सहयोग' जैसे विषयों पर गहन विमर्श हुआ।संगोष्ठी के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और भव्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें कवियों ने सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रप्रेम और समसामयिक विषयों पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ईरान की सीमाओं पर दिख रही दर्दनाक कहानियाँ, भाग जाना चाहते हैं लोग मगर पड़ोसी देशों ने दरवाजे कर रखे हैं बंद

पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व इस समय सिर्फ युद्ध का मैदान नहीं, बल्कि इंसानी त्रासदी का सबसे खौफनाक मंच बन चुका है। ईरान पर हो रहे हमलों ने सिर्फ इमारतों को नहीं गिराया, बल्कि वहां के लोगों की जिंदगी की बुनियाद ही हिला दी है। शहरों में धुएं के गुबार हैं, सायरनों की आवाजें हैं और हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि अब जाएं तो जाएं कहां? तेहरान से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, लोग अपने घर, अपनी जमीन, अपना सब कुछ छोड़कर निकल पड़े हैं। लेकिन यह कोई सामान्य पलायन नहीं है। यह मजबूरी का वह काफिला है जो हर कदम पर अनिश्चितता से टकरा रहा है। लाखों लोग अपने ही देश में विस्थापित हो चुके हैं और जो सीमा की तरफ बढ़ रहे हैं, उनके सामने नई मुश्किलें खड़ी हैं। ईरान की सीमाएं आज खुली कम और उलझी ज्यादा नजर आ रही हैं। तुर्की की सीमा पर हजारों लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां उनका स्वागत नहीं, बल्कि रोक इंतजार कर रही है। सख्त जांच, सीमित प्रवेश और अस्थायी शिविरों की योजना यह साफ संकेत देती है कि पड़ोसी देश इस बार दरवाजे पूरी तरह खोलने के मूड़ में नहीं हैं। सीरिया संकट से मिली सीख ने उन्हें सतर्क बना दिया है। अजरबैजान ने कुछ सीमित राहत जरूर दी है, लेकिन यह राहत चुनिंदा लोगों तक ही सीमित है। आम ईरानी नागरिक के लिए सीमा पार करना अब किसी जुए से कम नहीं। लोग कई दिनों तक सीमा के पास फंसे रहते हैं, बिना भोजन, बिना सुरक्षा और बिना किसी भरोसे के। सबसे दर्दनाक तस्वीर उन परिवारों की है जो बंट चुके हैं। कोई सदस्य सीमा पार कर गया, तो कोई पीछे छूट गया। बच्चों की पढ़ाई ठप है, अस्पतालों में संसाधनों की कमी है और बाजारों में जरूरी सामान तक मिलना मुश्किल हो गया है। लोग शहरों से निकलकर गांवों और पहाड़ों में शरण ले रहे हैं, जहां कम से कम बमों का खतरा थोड़ा कम है। हम आपको बता दें कि ईरान के भीतर हालात हर गुजरते दिन के साथ और बदतर होते जा रहे हैं। शहरों में बिजली और पानी की आपूर्ति बार बार ठप हो रही है, अस्पतालों में दवाइयों की कमी गहराती जा रही है और सामान्य इलाज तक मिलना मुश्किल हो गया है। बाजारों में जरूरी सामान या तो गायब है या आसमान छूती कीमतों पर बिक रहा है। लोग घंटों कतारों में खड़े होकर सिर्फ रोटी और ईंधन जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठहर चुकी है और मानसिक दबाव इतना बढ़ गया है कि हर घर के भीतर डर ने स्थायी जगह बना ली है। यह सिर्फ युद्ध का असर नहीं, बल्कि धीरे धीरे टूटती एक पूरी जिंदगी की तस्वीर है। लेकिन असली झटका तब लगता है जब पड़ोसी देशों के रुख पर नजर जाती है। सहानुभूति जरूर है, बयान भी हैं, लेकिन जमीन पर दरवाजे बंद हैं। हर देश अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। उन्हें डर है कि अगर यह लहर खुली, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बन सकती है। यूरोप पहले से ही संभावित दबाव को लेकर चिंतित है। खाड़ी के देश पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। वहां हालात और भी तनावपूर्ण हैं। बहरीन में सायरन बज रहे हैं, लोगों को घरों में रहने की चेतावनी दी जा रही है। कतर और यूएई जैसे देशों में सुरक्षा इंतजाम कई गुना बढ़ा दिए गए हैं।

हम आपको बता दें कि खाड़ी क्षेत्र में एक देश से दूसरे देश की यात्रा अब आसान नहीं रही। हवाई रास्तों पर खतरा मंडरा रहा है, समुद्री रास्ते तनाव से भरे हैं और हर सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है। यह सिर्फ ईरान का संकट नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता को हिला देने वाला दौर बन चुका है। विशेषज्ञों की चेतावनी और भी डरावनी है। उनका कहना है कि अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो विस्थापन का आंकड़ा विस्फोटक रूप ले सकता है। अभी जो स्थिति दिख रही है, वह सिर्फ शुरुआत हो सकती है। देखा जाये तो ईरान एक ऐसा देश रहा है जिसने वर्षों तक दूसरे देशों के शरणार्थियों को जगह दी, लेकिन आज वही देश अपने नागरिकों को बचाने में जूझ रहा है। यह विडंबना ही है कि जो कभी शरण देता था, आज खुद शरण की तलाश में है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा पीड़ित वही आम इंसान है, जिसके पास न ताकत है, न विकल्प। सीमाएं नक्शे पर खींची जाती हैं, लेकिन उनका बोझ इंसान की जिंदगी पर पड़ता है। आज ईरान की सीमाएं सिर्फ भौगोलिक रेखाएं नहीं रह गई हैं। वे डर, राजनीति और असुरक्षा की दीवार बन चुकी हैं। लोग भाग रहे हैं, लेकिन रास्ते बंद हैं। देश खड़े हैं, लेकिन दिल बंद हैं। और सबसे बड़ा सवाल अब भी वहीं है कि क्या दुनिया सिर्फ देखती रहेगी, या कोई दरवाजा सच में खुलेगा?

ईरान बना नये पुराने हथियारों की 'प्रयोगशाला', लाइव लॉ के परिणाम देख पूरी दुनिया दंग

यदि अमेरिका और इज़राइल की ओर से प्रयुक्त हथियारों की बात करें, तो इनमें अत्याधुनिक ड्रोन, साइबर हथियार, स्टेल्थ तकनीक से लैस लड़ाकू विमान और प्रिसीजन-गाइडेड मिसाइलें प्रमुख हैं।

नीरज कुमार दुबे

ईरान पर हुए हमले के बाद जो भू-राजनीतिक तनाव उभरा है, उसने आधुनिक युद्ध की प्रकृति को समझने का एक नया अवसर भी दिया है। विशेषकर अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने इस क्षेत्र को उन्नत सैन्य तकनीकों के परीक्षण-स्थल जैसा बना दिया है। इस संघर्ष में कई आधुनिक और विकसित हथियारों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उपयोग देखने को मिल रहा है जो दुनिया के तमाम देशों को अपनी अपनी सैन्य रणनीतियों पर पुनर्विचार करने पर मजबूर कर रहा है।

सबसे पहले यदि अमेरिका और इज़राइल की ओर से प्रयुक्त हथियारों की बात करें, तो इनमें अत्याधुनिक ड्रोन, साइबर हथियार, स्टेल्थ तकनीक से लैस लड़ाकू विमान और प्रिसीजन-गाइडेड मिसाइलें प्रमुख हैं। उदाहरण के लिए MQ-9 रीपर जैसे ड्रोन निगरानी और सटीक हमलों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इसी तरह, इज़राइल की आयरन डोम जैसी मिसाइल रक्षा प्रणाली ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया है, जो आने वाली रॉकेट और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने की क्षमता रखती है। इसके अलावा, साइबर युद्ध के क्षेत्र में भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाने के लिए स्टक्सनेट जैसे वायरस का उपयोग किया गया, जो आधुनिक युद्ध की नई दिशा को दर्शाता है।

दूसरी ओर, ईरान ने भी अपने सीमित संसाधनों के बावजूद असममित युद्ध रणनीति अपनाई है। ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइलों का एक बड़ा जखीरा है, जैसे शाहाब और फतेह सीरीज, जो क्षेत्रीय स्तर पर प्रभावी मानी जाती हैं। इसके अलावा, ईरान ने ड्रोन तकनीक में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। शाहेद सीरीज के ड्रोन, जिन्हें कामीकाजे ड्रोन भी कहा जाता है, दुश्मन के ठिकानों पर सीधा हमला करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये सस्ते, लेकिन प्रभावी हथियार हैं, जिनका उपयोग ईरान और उसके सहयोगी समूहों द्वारा व्यापक रूप से किया गया है।

ईरान की नौसैनिक रणनीति भी उल्लेखनीय है। फारस की खाड़ी जैसे संकरे समुद्री मार्ग में ईरान छोटी, तेज गति वाली नौकाओं, समुद्री माइंस और एंटी-शिप मिसाइलों का उपयोग करता है। यह रणनीति बड़े और महंगे युद्धपोतों के मुकाबले कम लागत में अधिक प्रभाव पैदा करने पर आधारित है। इसके अलावा, ईरान ने सुरंगों और भूमिगत ठिकानों का एक जाल भी विकसित किया है, जिससे उसके हथियार और मिसाइल सिस्टम सुरक्षित रहते हैं।

इस युद्ध में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह उभरकर सामने आया है कि ईरान द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ चीनी मूल के हथियार अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखा सके। इन प्रणालियों की सीमाएँ जैसे सटीकता, विश्वसनीयता या इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के सामने इनके टिकाऊपन ने विश्लेषकों के बीच यह चर्चा तेज कर दी है कि इससे चीन की रक्षा निर्यात छवि पर असर पड़ सकता है। हम आपको बता दें कि चीन लंबे समय से एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों को किफायती हथियार उपलब्ध कराकर एक बड़े रक्षा आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, लेकिन यदि उसके हथियार वास्तविक संघर्ष परिस्थितियों में कमजोर साबित होते हैं, तो संभावित खरीदार देशों का विश्वास डगमगा सकता है। यही कारण है कि ऐसी रिपोर्टें चीन के लिए रणनीतिक चिंता का विषय बन रही हैं, क्योंकि रक्षा निर्यात न केवल आर्थिक लाभ का स्रोत है बल्कि वैश्विक प्रभाव और कूटनीतिक संबंधों का भी महत्वपूर्ण साधन है।

सामरिक दृष्टि से देखें तो इस युद्ध ने "हाइब्रिड वारफेयर" की अवधारणा को और स्पष्ट किया है। इसमें पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ-साथ साइबर हमले, प्रॉक्सी युद्ध, सूचना युद्ध और आर्थिक प्रतिबंध भी शामिल होते हैं। अमेरिका और इज़राइल जहां तकनीकी श्रेष्ठता के बल पर सटीक और सीमित हमले करते हैं, वहीं ईरान अपनी रणनीति में लचीलापन और व्यापकता बनाए रखता है। यह असमान शक्ति संतुलन को संतुलित करने का एक प्रयास है।

रणनीतिक महत्व की दृष्टि से, यह पूरा परिदृश्य कई महत्वपूर्ण संकेत देता है। एक तो आधुनिक युद्ध अब केवल मैदान में लड़े जाने वाले संघर्ष तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक, सूचना और मनोवैज्ञानिक प्रभाव तक फैल चुका है। इसके अलावा, छोटे और मध्यम शक्ति वाले देश भी अब उन्नत तकनीकों के माध्यम से बड़ी शक्तियों को चुनौती देने में सक्षम हो रहे हैं। साथ ही, ड्रोन और साइबर हथियार जैसे साधन युद्ध की लागत को कम करते हुए उसकी जटिलता को बढ़ा रहे हैं।

इसके अलावा, इस क्षेत्र में हो रहे हथियारों के उपयोग का वैश्विक प्रभाव भी है। विभिन्न देश इन तकनीकों का अध्ययन कर अपनी सैन्य नीतियों को पुनर्गठित कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, ड्रोन युद्ध की सफलता ने कई देशों को इस दिशा में निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। इसी तरह, मिसाइल रक्षा प्रणालियों की उपयोगिता ने भी रक्षा बजट और रणनीतियों को प्रभावित किया है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ईरान और उसके आसपास का क्षेत्र आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति का एक जीवंत उदाहरण बन चुका है। यहां हो रहे संघर्ष केवल क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को ही नहीं, बल्कि वैश्विक सैन्य रणनीतियों और तकनीकी विकास की दिशा को भी प्रभावित कर रहे हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये प्रयोग किस प्रकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और शांति व्यवस्था को आकार देते हैं।

टिप्पणी

केंद्र का दिशा-निर्देश

इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए।

पूरे भारत को अपनी विचारधारा के रंग में ढालने की मुहिम में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को ऐसे कदमों पर हो रही प्रतिक्रियाओं को लेकर अवश्य सचेत रहना चाहिए। इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि सरकार असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। इस हफ्ते ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्हें केंद्र के अति-उत्साह की प्रतिक्रिया समझा जाएगा।

बीते 28 जनवरी को केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाना और वंदे मातरम के सभी छह स्तोत्र गाना अनिवार्य कर दिया था। गुजरे मंगलवार को नगालैंड विधानसभा ने इस मुद्दे को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया कि क्या ये दिशा-निर्देश उस राज्य पर भी लागू होता है। इसके पहले बजट सत्र की शुरुआत पर पहली बार गन-गण-मन से पहले सदन में वंदे मातरम गाया गया। उस पर भाजपा को छोड़ सभी दलों के सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनमें सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दल भी हैं, हालांकि ये गठबंधन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा है। कई सदस्यों ने कहा कि इस मामले से 'संवैधानिक एवं अंतरात्मा से संबंधित' सवाल खड़े हुए हैं। यह भी कहा गया कि केंद्र का दिशा-निर्देश देशभक्ति और एकरूपता का घालमेल करता मालूम पड़ा है।

इस बीच रेलवे स्टेशनों पर अन्य लिपियों में हिंदी शब्द लिखने को लेकर तमिलनाडु में विवाद गरमा गया है। बुधवार को तिरुचि स्टेशन पर अधिकारियों ने हिंदी, अंग्रेजी, और तमिल में लिखे कर्त्तव्य-द्वार शब्द को हटा दिया। कहा कि ऐसा जन भावनाओं का ख्याल करते हुए किया गया है। इसके पहले डीएमके समर्थकों ने गेट पर बने मेहराब पर लिखे इन शब्दों पर कालिख पोत दी थी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने इसे 'एक भाषा, तीन लिपि' नीति बताते हुए इस पर कड़ा एतराज जताया था। संकेत हैं कि तमिलनाडु में अब अन्य जगहों पर भी हिंदी विरोधी समूह इस मुद्दे पर विरोध जताने की तैयारी में हैं। ऐसी हर घटना राष्ट्रीय मेलजोल की भावना में पेच डालती है। अतः उचित यही होगा कि इन पर अविलंब ध्यान दिया जाए।

ब्लॉग

युद्धकाल का संकट, राजनीति और नागरिक कर्तव्य

मृत्युंजय दीक्षित

युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं।

अमेरिका-इजराइयल और ईरान युद्ध को प्रारंभ हुए 15 दिन का समय व्यतीत हो चुका है और अभी भी युद्ध का दायरा बढ़ ही रहा है। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध और आक्रामकता के कारण संपूर्ण विश्व में तेल और गैस की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। अन्य आवश्यक उत्पादों के जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। विश्व के तमाम देशों की सरकारें एवं विपक्षी दल कदम से कडम मिलाकर तेल, गैस व ऊर्जा संकट, आर्थिक अनिश्चितता तथा कार्यालयों के पलायन के कारण उत्पन्न हो रहे संकट का सामना कर रहे हैं। सभी देशों में सत्तापक्ष व विपक्ष मिलजुल कर कर रहे हैं वहीं भारत में विपक्ष इस संकट का उपयोग अपने ही देश को नीचा दिखाने के लिए कर रहा है।

भारत में इस युद्ध तथा उससे उपजे वैश्विक संकट पर अलग ही राजनीति हो रही है। जब से युद्ध आरम्भ हुआ है भारत में लखनऊ से लेकर श्रीनगर और जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले तक अमेरिका-इजराइल के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने के लिए आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन लोगों ने पहले कभी भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों निंदा तक नहीं की है। विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल तथा उनके नेता इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि सरकार की विदेश नीति के खिलाफ अनवरत लेख लिख रहे हैं और किसी न किसी बहाने प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं।

युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। कई देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच रही है पड़ोसी पाकिस्तान में तो लॉकडाउन जैसे हालात पैदा हो गए हैं जबकि भारत मे पेट्रोल व डीजल के दाम काफी स्थिर हैं। भारत में केवल घरेलू रसोई गैस के दामों में ही 60 रुपए की वृद्धि की गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध से पैदा हुए संकट पर स्वयं नजर रख रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री तथा प्रधानमंत्री मोदी दुनियाभर के नेताओं के साथ संपर्क में हैं तथा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए नए मार्ग ढूंढ रहे हैं। अभी तक भारत केवल 27 देशों से ही तेल व गैस की खरीदता था किंतु अब 40 देशों के साथ क्रय सम्बन्ध बनाए जा रहे हैं।

विडंबना है कि विपक्ष इस संकट का उपयोग राजनीति के लिए कर रहा है। विपक्षी दल के नेता, आईटी सेल तथा कार्यकर्ता अपने आकाओं की शह पाकर अफवाह बाज बनकर सड़क पर आ गए हैं। बड़े नेता ऊपर संसद ठप कर रहे हैं और छोटे-बड़े जमाखोरों के साथ मिलकर आम जनमानस का पैनिक बटन दबाकर गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी कतारें लगवा रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी व उनकी सरकार की पहल का ही परिणाम है कि ईरान-अमेरिका-इजरायल जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से दो भारतीय जहाज शिवालिक और नंदादेवी 927000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे हैं। भारत सरकार व अधिकारियों के प्रयास से ही फारस की खाड़ी में सभी भारतीय सुरक्षित हैं। भारत के 253 नाविक अब तक सुरक्षित वापस आ चुके हैं। भारत सरकार ऊर्जा आपूर्ति और नागरिक सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों से स्पष्ट कर चुके हैं कि युद्ध का असर आम जनता पर नहीं पड़ना चाहिए।

युद्धकाल में जो लोग भारत की विदेश नीति को फेल बताने वालों को स्मरण रखना चाहिए कि कि जब संघर्ष के कारण उड़ानें प्रभावित होने पर कई ईरानी नागरिक भारत में फंस गए थे भारत ने ही उन्हें ईरान की सहायता से उनके देश पहुँचाया। वहीं युद्ध के बीच 1.72 लाख भारतीय सकुशल भारत वापस आए हैं।

भारत सरकार युद्धकाल में जनता को कोई समस्या न हो इसके लिए लगातार कार्य कर रही है किंतु क्या हम सभी नागरिक अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं? परिस्थितियां इसका उत्तर नहीं में दे रही हैं। यदि नागरिक भी कर्त्तव्य बोध से बंधे होते तो आज देश में गैस सिलेंडर को लेकर जो पैनिक मचा हुआ है वह न होता। ऊर्जा संकट की आहट मात्र से अफवाह बाज सक्रिय हो गए और ऐसी अफवाहें उड़ाई गई कि जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई है। जिन घरों मे एक या दो भरे हुए एलपीजी सिलिंडर मौजूद हैं वो भी हल्ला मचा रहे हैं। प्रतिदिन होने वाली सिलिंडर बुकिंग 55 लाख से बढ़कर 75 लाख हो गई। देशभर मे अजीब नजारे देखने को मिल रहे हैं। जो परिवार 853 रुपए का गैस सिलेंडर खरीदने में भार का अनुभव करते थे अब वही लोग चोर बाजार से 3500 तक का सिलेंडर खरीदने की हैसियत दिखा रहे हैं।

समाज मे नैतिकता व सदाचार की कमी के कारण ही जमाखोरी व कालाबाजारी एक सामाजिक बुराई का रूप ले चुकी है। युद्धकाल में देशवासियों का एक बहुत बड़ा वर्ग कर्तव्य से विमुख होकर अपने लिए मुनाफे का अवसर खोज रहा है। अभी भारत का युद्ध से कोई सबंध नहीं है और यह युद्ध भारत से बहुत दूर हो रहा है तब भी जिस प्रकार का पैनिक भारत में हुआ है वह कुछ भारतीयों की ही विकृत मानसिकता को प्रदर्शित कर रहा है। संकट है किंतु अगर कुछ भी कर्त्तव्य बोध होता तो हालात बिल्कुल सामान्य ही रहते। अंततः अब सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारियों पर कार्यवाई आरम्भ कर दी है और उसके नतीजे भी सामने आने लगे हैं।

ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध अभी काफी लंबा चलने की आशंका है तथा हालात अभी और भी खराब ही हो सकते हैं किन्तु भारत ही एकमात्र ऐसा राष्ट्र है जिसके लिए होमुर्ज स्ट्रेट का रास्ता खोला गया है। सरकार अपना काम कर रही है किंतु अब समय आ गया है कि भारतीय नागरिक भी अपने कर्तव्य का पालन करें और पैनिक न हों।

वीडियो कांफ्रेसिंग से छात्र और डॉक्टरों से बात करता था 'आतंकी' हारिश, चुना हुआ था ये खास दिन, नया खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। आईएस के लिए ऑनलाइन भर्ती करने का आरोपी बीडीएस छात्र हारिश हर रविवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए छात्र और डॉक्टरों से बात करता था और अपने आकाओं के निर्देशों को उनके साथ साझा करता था। हारिश के साथ उत्तर प्रदेश ही नहीं कई और प्रदेशों के लोग भी संपर्क में थे। अब एटीएस इन छात्र और डॉक्टरों से भी पूछताछ करेंगी।

सहारनपुर के मानकमऊ निवासी हारिश ने दो साल पहले मुरादाबाद के निजी कॉलेज में बीडीएस में दाखिल लिया था। हारिश आईएस के संपर्क में आया और खौफनाक साजिश रचने लगा था।

कॉलेज के हॉस्टल के कमरे में बैठकर वह लैपटॉप के जरिए कई कई घंटे चैट करता था और उसने देश और सरकार के खिलाफ कमेंट्स व पोस्ट करने वालों को अपने साथ जोड़ लिया था। हैरानी की बात है कि हारिश ने अपनी उम्र के छात्र तो जोड़े ही थे साथ में अपनी उम्र से दोगुनी उम्र के डॉक्टर और अन्य लोग भी उसके संपर्क में आ गए थे।

आईएस के सीनियर लीडरों से ऑनलाइन ट्रेनिंग लेता था हारिश

एटीएस और अन्य एजेंसियों की जांच में ये सामने आया है वह आईएस के सीनियर लीडरों से ऑन लाइन ट्रेनिंग लेता था। इसके बाद वह अन्य छात्र,डॉक्टर और अन्य लोगों को कौम और धर्म के नाम भड़का कर उन्हें अपने साथ जोड़ लेता था।

मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, बिजनौर, सहारनपुर, शामली और मेरठ, गाजियाबाद, प्रयागराज, आगरा के अलावा दिल्ली, पंजाब, राजस्थान के छात्र भी उसके संपर्क में थे। जांच में भी सामने आया है कि रविवार को कॉलेज की छुट्टी होने के बाद भी अपने घर सहारनपुर नहीं जाता था। हारिश का रूम पार्टनर रविवार को अपने घर अपने रिश्तेदार के यहां चला जाता था। इसके बाद हारिश वीडियो कांफ्रेंस के जरिए अपने साथियों से बात करता था। वह एक साथ दो सौ ज्यादा लोगों को जोड़ लेता था और अपने आकाओं से मिलने वाले निर्देशों, उनके लेख और अन्य बातों साझा करता था। अब एटीएस उन सभी लोगों से पूछताछ करेगी जो लोग हारिश के संपर्क में थे और उनके साथ ऑनलान जुड़े थे।

दो साल में पांच बार जम्मू-कश्मीर जा चुका हारिश

मुरादाबाद से संदिग्ध आतंकी हारिश अली की गिरफ्तारी के बाद से एटीएस जांच में जुटी है। एटीएस की जांच में सामने आया कि हारिश दो साल के अंदर पांच बार जम्मू-कश्मीर जा चुका था। अब इन यात्राओं की गहराई से जांच की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दौरे के पीछे क्या उद्देश्य था।

हारिश अली का थाना कुतुबशेर क्षेत्र के गांव मानकमऊ स्थित ट्रांसफार्मर वाली गली में घर है। यहां उसके माता-पिता रहते हैं, जो बेटे की गिरफ्तारी के बाद से गायब है। बृहस्पतिवार को भी घर पर ताला लटका हुआ है। स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी रही, हालांकि पुलिस की गतिविधियां लगातार जारी हैं।

स्थानीय पुलिस लगातार उसके परिजनों की तलाश में जुटी हुई है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को पुलिस टीम हारिश के ताऊ मुस्तकीम के घर भी पहुंची और उनसे पूछताछ की। हारिश के बारे में जानकारी जुटाई।

पुलिस भी एहतियात के तौर पर नजर बनाए हुए है। वहीं, एटीएस भी जांच कर रही है। उसकी जांच में यह सामने आया है कि बीते दो वर्षों में हारिश ने पांच बार जम्मू-कश्मीर की यात्रा की।

अब एटीएस इन यात्राओं की जांच में जुटी है कि वह कब-कब जम्मू-कश्मीर गया। उसके वहां जाने का क्या उद्देश्य था। क्योंकि नवंबर 2025 में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मानकमऊ से संदिग्ध आतंकी डॉ. आदिल अहमद को गिरफ्तार किया था। वह भी जम्मू-कश्मीर का ही रहने वाला था। उससे भी हारिश अली के कनेक्शन खंगाले जा रहे हैं।

मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन ही सच्ची खुशी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर द्वारा शुक्रवार को 'विश्व प्रसन्नता दिवस' के अवसर पर संकाय भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम "सोशल मीडिया और वेल-बीइंग (सुख-समृद्धि)" रही, जिसमें डिजिटल जीवन और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन पर विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता प्रबंध अध्ययन संकायाध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि "सुख कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक निरंतर यात्रा है।" उन्होंने बताया कि सच्चा सुख भौतिक वस्तुओं की अंधी दौड़ में नहीं, बल्कि धर्मानुकूल आचरण, त्याग और संयम में निहित है। उन्होंने कहा कि धन हमें सुविधाएँ तो दे सकता है, लेकिन मानसिक शांति और संतोष की गारंटी नहीं दे सकता। सोशल मीडिया के इस दौर में वास्तविक आनंद आत्मिक संतुलन और सादगी में ही निहित है। प्रो. अजय प्रताप सिंह ने 'हैप्पीनेस इंडेक्स 2026' के संदर्भ में कहा कि 25 वर्ष से कम आयु के युवाओं में खुशी का स्तर कम होना गंभीर चिंता का विषय है। इसके पीछे सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता और वर्चुअल दुनिया में खुशी तलाशने की प्रवृत्ति प्रमुख कारण है। उन्होंने युवाओं से आत्मनिर्भर होकर अपनी खुशी स्वयं निर्मित करने का आह्वान किया।जनसंचार विभाग के डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि जीवन में प्रसन्न रहने के लिए दिखावे की आवश्यकता नहीं है, बल्कि छोटी-छोटी बातों में खुशियाँ खोजने की आदत विकसित करनी चाहिए।विषय प्रवर्तन करते हुए नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग मानसिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है, इसलिए संतुलित उपयोग आवश्यक है।

ईद पर मिश्रित इलाकों में पुलिस-प्रशासन ने बढ़ाई चौकसी, इस बार नहीं सजेगी जामा मस्जिद

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। रमजान के अंतिम जुमे को अलविदा की नमाज शुक्रवार को अदा की जाएगी। शनिवार को ईद उल फितर मनाई जाएगी। इसके लिए पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया है। एहतियाती तौर पर चौकसी बढ़ा गई है। संवेदनशील इलाके में ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

साथ ही मजिस्ट्रेट और भारी फोर्स तैनात किया जाएगा। सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए डीएम और एसपी ने संभल शहर का निरीक्षण किया। इससे पहले बृहस्पतिवार की शाम डीएम और एसपी ने जनसंवाद कर शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील की।

इस दौरान मुख्य मार्गों पर स्थित मस्जिदों के आसपास ड्रोन से निगरानी कराई गई। डीएम ने बताया कि संभल शहर में 19 मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। जिले के प्रत्येक थाने पर एक मजिस्ट्रेट को जिम्मेदारी सौंपी है। नई परंपरा नहीं डालने की हिदायत पीस कमेटी की बैठकों में दी जा चुकी है। सार्वजनिक स्थानों पर बाधा कोई नहीं पहुंचाएगा। त्योहार आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया जाए।किसी की भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संवेदनशील इलाके में पूरी निगरानी रखी जाए।

एएसआई से नहीं हो सका कमेटी का संपर्क

संभल की जामा मस्जिद को पिछले वर्ष की तरह सजाया नहीं जाएगा। इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली ने बताया कि जिला प्रशासन ने पुताई व रंगाई के लिए अनुमति इस बार रमजान से पहले मांगी थी लेकिन अनुमति नहीं मिली। एएसआई से भी संपर्क किया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसलिए इस बार पुताई भी नहीं हो सकी। सजावट भी नहीं की जाएगी। मालूम हो 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान विवाद हो गया था। जामा मस्जिद सर्वे का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। पिछले वर्ष मस्जिद की पुताई व सजावट हाईकोर्ट के आदेश पर हुई थी।

> पुलिस के साथ पीएसी और आरआरएफ को एहतियाती तौर पर बरती जा रही चौकसी में लगाया गया है। संवेदनशील इलाके में ड्रोन कैमरों से निगरानी कराई जाएगी। सोशल मीडिया पर एक टीम निगरानी कर रही है। किसी ने अफवाह फैलाने या माहौल खराब करने का प्रयास किया तो सख्ती से निबटा जाएगा। त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाए।
>
> **- कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी, संभल**

हसनैन कमर अध्यक्ष, देवेंद्र खरे को महामंत्री का दायित्व

जौनपुर। जौनपुर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ का चुनाव शुक्रवार को कैंप कार्यालय शारदा टावर पर हुआ। चुनाव प्रक्रिया में सभी पदों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। कई नामों पर चर्चा के बाद बहुमत से सैयद हसनैन कमर 'दीपू', को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। महामंत्री पद की जिम्मेदारी देवेंद्र खरे को दी गई। उपाध्यक्ष पद पर विश्व प्रकाश श्रीवास्तव और राज सैनी, राजन मिश्रा को कोषाध्यक्ष चुना गया। पूरी चुनाव प्रक्रिया वरिष्ठ पत्रकार राजेश श्रीवास्तव और जावेद अहमद की देखरेख में संपन्न कराई गई।इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए पांच नए सदस्यों ने भी सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में मोहम्मद अब्बास, नितेश सिंह, विद्याधर राय विद्यार्थी, कुंवर नीतीश, इमरान अब्बास, उस्मान, अबुल खैर, आमिर अब्बास, रोहित चैबे, अंकित मिश्रा, असलम, पंकज कुमार, मेवालाल यादव और अंकित श्रीवास्तव प्रमुख रूप से शामिल रहे।

आगरा में भीषण हादसा, श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो पेड़ से टकराई... पति-पत्नी सहित 5 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां चित्राहाट क्षेत्र के इटावा मार्ग पर एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक विशाल पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

हादसे में जिन लोगों की मौत हुई है, वो राजस्थान के करौली स्थित कैला देवी मंदिर से दर्शन कर घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी थाना चित्राहाट क्षेत्र के पई के पास पहुंची, चालक का संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी सीधे पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। शीशे सड़क पर बिखर गए थे। शव गाड़ी में ही फंस गए थे। किसी ने पुलिस को सूचना दी तो एक टीम मौके पर पहुंची।

इस दर्दनाक हादसे में मरने वालों में 3 पुरुष, 1 महिला और एक महज 3 वर्षीय मासूम बच्ची शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला। मृतकों में कांता प्रसाद (70), बेटे देवेंद्र (35), बहू सीमा (30), पोती आराध्या (3) और ऋषि (20) शामिल हैं। ये हादसा गुरुवार देर रात हुआ है।

सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर

पुलिस ने सभी 4 गंभीर घायलों को तत्काल एम्बुलेंस के जरिए सैफई (इटावा) अस्पताल में भर्ती कराया है, जहाँ उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने पांचों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम (ऑटोप्सी) के लिए भेज दिया है। जैसे ही हादसे की खबर मृतकों के परिजनों तक पहुंची, परिवार में चीख-पुकार मच गई। खुशियों भरा सफर मातम में बदल गया। पुलिस अब हादसे के सटीक कारणों की जांच में जुटी है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मृतकों के परिवार वालों को हादसे की जानकारी भेजी जा रही है।

शिया जामा मस्जिद मे नमाजियों की भीड उमडी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। रमजान की आखिरी तारिख 30 रमजान को जुमे होने की वजह से मस्जिदों मे नमाजे जुमा अदा करने के लिए नमाजियों की भारी तादाद देखने को मिली जबकि 23 रमजान वाले जुमे को अलविदा जुमा के तौर पर लोग नमाज अदा कर चुके हैं । शिया जामा मस्जिद नवाब बाग मे इमामे जुमा व प्रिन्सिपल जामिया इमानिया नासिरया जौनपुर मौलाना महफुजुल हसन खां ने नमाज अदा कराई माज से पहले खुत्ब ए जुमा में उन्होंने कहा कि इस साल के रमजान का आखिरी रोजा आज है हम सब आज अल्लाह से ये दुआ करें कि हम सब मुस्तकबिल (भविष्य)में गुनाहो से दूर रहेंगे और सच्चे मुसलमान बनेंगे अल्लाह हम सबको मुस्तकबिल {भविष्य } मे भी इबादत की तौफिक इनायत फरमाए उन्होने फितरे की अहमियत पर रोशनी डाली मौलाना महफुजुल हसन ने मुल्क मे अमन और शांतिः के लिए दुआ की साथ ही ईरान के लिए भी दुआएं कराई रहबरे मोअज्जम शहीद आयतुल्ला उल उज्मा सैय्यद अली खामेनाई, ईरान के सुरक्षा प्रमुख शहीद अली लारीजानी और दीगर शहीदो की मगफेरत के लिए दुआ की । मस्जिद के मुत्तवली शेख अली डेजी ने बताया कि 21 मार्च ईदुल फितर की नमाज ईदगाह सदर इमामबाड़ा बेगमगंज मे पहली नमाज 9 बजे सुबह होगी जिसे मौलाना महफुजुल हसन खान अदा कराऐंगे दूसरी नमाज 10 बजे सुबह इस्लाम मौलाना आबिद आगा खां नजफी अदा कराऐंगे।

'मेरी मां का अपमान किया था, मैंने बदला लिया', अंडरवियर के नाड़े से बांधे हाथ, चाकू से रेत दिया बालक का गला

आर्यावर्त संवाददाता

कन्नौज। यूपी के कन्नौज जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां तिर्वा इलाके में बदले की आग में जल रहे युवक ने मां के अपमान का बदला लेने के लिए बालक के हाथ नाड़े से बांधे और मुर्गा काटने वाले चाकू से उसका गला रेत दिया।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। इलाके में भारी संख्या में पुलिस व पीएसी तैनात है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसने अपना गुनाह कुबूल किया है।

कोतवाली क्षेत्र के बहसार गांव में शानू का 12 वर्ष का बेटा असद घर के बाहर बुधवार की शाम को खेल रहा था। गांव के ही 19 वर्षीय अरबाज ने उसे बेर खिलाने का लालच दिया। इसके बाद उसे गांव से दो किलोमीटर दूर खेतों की तरफ ले गया।

चाकू से रेत दिया गला और काट दी नस

आरोपी ने अंडरवियर के नाड़े से असद के हाथ बांध दिए और मुर्गा काटने वाला चाकू निकाल कर उसका गला रेत दिया। साथ ही कलाई की नस भी काट दी। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला।

परिजनों ने जब असद की तलाश की तो गांव के लोगों ने उसे अरबाज के साथ खेतों की तरफ जाने की बात बताई। परिजन जब घटनास्थल पहुंचे तो वह खून से लथपथ तड़प रहा था। परिजन उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए।

रास्ते में ही बच्चे की मौत

जहां हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उसे कानपुर रेफर कर दिया पर रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव को लेकर गांव आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ कुलवीर सिंह व कोतवाल संजय शुक्ला मौके पर पहुंचे और आरोपी अरबाज को पकड़ कर कोतवाली ले आए।

सीओ ने बताया कि बाबा इसरार की तहरीर पर आरोपी अरबाज पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर चाकू बरामद कर लिया गया है। घटनास्थल पर वह अंडर वियर भी मिला है, जिसके नाड़े से उसके हाथ बांधे गए थे। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस व पीएसी बल तैनात कर दिया गया है।

मां के अपमान का लिया बदला...कोई गम नहीं

कोतवाली में पुलिस हिरासत में मौजूद हत्यारोपी अरबाज से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि दो साल पहले असद के पिता शानू ने मां का अपमान करते हुए अभद्र टिप्पणी की थी। तभी से उसके मन में बदले की आग धधक रही थी। उसने बदला लेने की ठानी और शानू की हत्या की फिराक में रहने लगा।

बुधवार की शाम को शानू का बेटा असद उसे अकेला मिल गया तो उसने बेर खिलाने का लालच दिया और गांव से बाहर ले जाकर हत्या कर दी। उसने बताया कि उसे कोई गम नही है। यदि शानू मिलता तो उसकी भी हत्या कर देता।

बारिश के बीच गिरी बिजली, बहराइच और बलरामपुर जिले में एक-एक युवक की मौत, राजस्व टीम जुटा रही जानकारी

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच/बलरामपुर। यूपी में राजधानी लखनऊ समेत अवध क्षेत्र में शुक्रवार को सुबह से मौसम बदल गया। बारिश के साथ कई जिलों में ओले भी गिरे। बहराइच और बलरामपुर जिले में बिजली गिरने से एक-एक युवक की मौत हो गई। घटना से घरों में चीख पुकार मच गई।

पहली घटना बहराइच जिले में महसी इलाके में हुई। यहां गरज-चमक के साथ हुई बारिश के बीच बिजली गिरी। इसकी चपेट में आने से बदनपुरवा बंभौरी गांव निवासी मुनऊ (30) की मौत हो गई।

घटना के समय मुनऊ खेत में काम कर रहा था। इसी वक्त बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बिजली गिरी। गांव निवासी रामकुमार बाजपेई ने बताया कि तेज बारिश के बीच बिजली गिरने से मुनऊ की मौत हुई है। तहसील प्रशासन को सूचना दी गई है।

बलरामपुर में बिजली गिरने से युवक की मौत

दूसरी घटना बलरामपुर जिले के धुसाह गांव में हुई। बारिश के बीच बिजली गिरने से गांव निवासी तीरथ वर्मा (30) की मौत हुई है। घटना सुबह करीब 11.45 बजे हुई। एसडीएम हेमंत गुप्त ने बताया कि मामले की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। राजस्व टीम मौके पर भेजी गई है। एफसीआई गोदाम के पास घटना हुई है।

खंडहर में बिस्कुट मंगवाया, दरिंदगी के बाद किया कत्ल, फिर गाड़ दी लाश, डॉक्टरों ने भी 'दरिंदों' को धिक्कारा

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के बिधनू में 11 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोपी तीनों भाइयों सनी, कमल और आशीष को गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो की धाराएं बढ़ाई हैं।

वहीं, हत्यारोपी सनी जेल जाने से पहले खूब रोया। उसने कहा कि मैंने शराब पी थी। बच्ची खेत में बकरी चरा रही थी। शाम के करीब चार बजे उसे 50 रुपये देकर बिस्कुट और नमकीन लेकर 300 मीटर दूरी पर खंडहर में बुलाया। वहां उसके साथ गलत काम किया।

वह रोने लगी, जिससे डर गया। वह अपने मम्मी पापा और घरवालों को शिकायत करने पर अड़ी थी। इससे उसका गला दबाकर मार डाला। हत्या के करीब एक घंटे तक वहीं बैठा रहा। वह शिवगंज से शराब खरीदकर लाया था।

बकरी चराने गई थी पांचवीं कक्षा की छात्रा

ग्रामीण की बेटी पांचवीं कक्षा की छात्रा थी। सोमवार की दोपहर बकरी चराने गई थी। मंगलवार को सूचना पर खेत खोदने पर शव मिला था। घरवालों ने तीनों भाइयों आशीष, सनी और कमल के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने की एफआईआर दर्ज कराई थी।

सनी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया

पुलिस ने आशीष और कमल को हिरासत में ले लिया लेकिन सनी भाग गया था। बुधवार देर रात सनी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। अपर पुलिस आयुक्त अपराध संकल्प शर्मा ने बताया कि तीनों भाइयों को जेल भेज दिया गया है।

वारदात में आरोपियों का पिता भी साजिश रचने और साक्ष्य मिटाने का आरोपी है। उसका नाम भी एफआईआर में दर्ज किया जाएगा। फिलहाल उसकी तलाश चल रही है। सनी के खिलाफ पूर्व में भी एफआईआर दर्ज हो चुकी है।

तीनों आरोपियों के सैंपल जांच के लिए एफएसएल लैब भेजे हैं जिसकी रिपोर्ट से बाकी के शामिल होने की पुष्टि हो जाएगी। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है।

भाइयों और परिजन की भूमिका की हो रही जांच

थाना प्रभारी टीबी सिंह ने बताया कि सनी के साथ उसके दोनों भाइयों ने साक्ष्य नष्ट करने और जानकारी छिपाने का कार्य किया है। वह घटना में शामिल थे या नहीं इसकी जांच की जा रही है। पीड़िता की मौत हो चुकी है जिससे घटना की वास्तविकता बताने वाला कोई गवाह नहीं है।

हत्यारोपियों के ट्यूबवेल पर चलेगा बुलडोजर

पीड़ित परिवार ने आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने और उनकी संपत्तियों को सरकार के नाम करने की मांग की थी। एसडीएम सदर अनुभव कुमार ने राजस्व टीम को हत्यारोपियों की अवैध जमीन और घर की नापजोख करने का निर्देश दिया था।

बुधवार और गुरुवार को राजस्व टीम की जांच में हत्यारोपियों का ट्यूबवेल और मकान का कुछ हिस्सा ग्राम समाज की जमीन पर बना हुआ निकला। वहीं, खेती वाली जमीन की जांच होनी बाकी है। अधिकारियों के मुताबिक, अगर सरकारी जमीन पर कब्जा कर खेती होती मिली तो उसे भी कब्जामुक्त कराया जाएगा।

राजस्व टीम की रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रशासन ट्यूबवेल और अवैध संपत्ति पर कार्रवाई करेगा। तहसीलदार विनय द्विवेदी ने बताया कि शिकायत के आधार पर लेखपाल से जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।

घटना के बाद आरोपियों के घर में हुआ था झगड़ा

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि वारदात के समय सनी घर में अकेला था। उसके पिता गणेश घर में नहीं थे। महिलाएं खेतों में काम करने गई थीं। बच्ची की हत्या के बाद दोनों भाई आशीष और कमल भी घर पहुंच गए।

शाम को गणेश और परिवार की महिलाएं भी आ गईं। परिजनों में जमकर झगड़ा और गाली गलौज हुई थी। महिलाओं को मुंह बंद रखने के लिए बोला गया था। पुलिस ने आस पड़ोस के लोगों से जानकारी जुटाई है। फरार चल रहे परिजनों की तलाश जारी है।

डॉक्टरों ने भी आरोपियों को धिक्कारा

अस्पताल में सैंपल डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने तीनों के सैंपल लिए। इस दौरान उन्हें घटना का पता चला तो उन्होंने भी आरोपियों को धिक्कारा। उन्होंने सैंपल देते हुए उफ।।। किया तो पैरामेडिकल स्टाफ ने कहा कि जरा सा सैंपल देने में कराह रहे हो। सोचो छोटी सी बच्ची को कितना दर्द हुआ होगा। इतना गलत कार्य किया है तुम लोगों ने भगवान भी माफ नहीं करेगा।

पकड़ने गयी महाराष्ट्र पुलिस से ग्रामीणों ने की

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र के रिठी गांव में गुरुवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब सादे कपड़ों में पहुंचे तीन अजनबी युवकों को ग्रामीणों ने संदिग्ध समझकर मारपीट शुरू कर दी। यह घटना महाराष्ट्र से जुड़े एक आपराधिक मामले से संबंधित बताई जा रही है। मछलीशहर निवासी अवधेश सिंह महाराष्ट्र में रहते थे। वहां पैसे के लेनदेन को लेकर उनका किसी व्यक्ति से विवाद हो गया था, जिसके संबंध में स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने जांच के दौरान मोबाइल लोकेशन ट्रेस की, जिससे आरोपी की रिश्तेदारी जौनपुर के सिकरारा थाना क्षेत्र के रिठी गांव में होने का पता चला। बीती रात महाराष्ट्र पुलिस के तीन जवान सादे कपड़ों में रिठी गांव पहुंचे। उन्होंने अपनी गाड़ी गांव से कुछ दूरी पर खड़ी की और सीधे उस घर में गए, जहां आरोपी की लोकेशन मिल रही थी। घर में अचानक अजनबी लोगों को देखकर परिजनों ने शोर मचाना शुरू कर दिया।

भारतीयों की इन देसी सब्जियों का विदेश से है कनेक्शन

भारत में बिना सब्जी के कोई मील पूरी नहीं होती है। यहां आलू से लेकर मिर्च, टमाटर का खूब इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोगों को तो लगता है कि ये सब्जियां भारतीय हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे, किस देश से है किस सब्जी का कनेक्शन।

आलू से लेकर प्याज और टमाटर तक भारत में कई किस्म की सब्जियों की खेती होती है। भारतीय थाली में इनका अहम रोल होता है। रोजमर्रा की जिदंगी लोग ज्यादा से ज्यादा सब्जियां ही खाते हैं। वहीं, शाकाहारी लोगों के लिए तो सब्जियां ही पोषक तत्वों का सोर्स होती हैं। कुछ सब्जियों को तो अमूमन लोग देसी मानते हैं। जिसमें शामिल है, आलू, गोभी, टमाटर और मिर्च। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि, देसी कही जाने वाली ये सब्जियां असल में विदेश से ताल्लुक रखती हैं। जी हां, इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि पुर्तगाली, डच और अंग्रेज व्यापारी सिर्फ मसालों के लिए ही नहीं आए थे। बल्कि कई सब्जियों को भी भारत लेकर आए थे।

हालांकि, भले ही ये सब्जियां विदेश से आई हों। लेकिन आज भारत में इनकी सबसे ज्यादा खेती की जाती है। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि देसी कही जाने वाले आलू, मिर्च, टमाटर, शिमला मिर्च और मक्का असल में किस देश से ताल्लुक रखती हैं और इन्हें भारत कैसे लाया गया।

कहां से भारत आया आलू

आलू का इस्तेमाल भारत में खूब किया जाता है। पराठा बनाना हो या फिर सब्जी...आलू आपको हर डिश में मिल जाएगा। भारत आलू की खेती

करने में दुनियाभर में दूसरे नंबर पर है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आलू असल में भारत का है ही नहीं। बल्कि इसकी जड़े पेरू, दक्षिण अमेरिका से जुड़ी हुई हैं। आलू को 17वीं शताब्दी में पुर्गगाली बिजनेसमेन द्वारा भारत लाया गया है। उस वक्त भारत में आलू के खेती समझो न के बराबर होती थी। लेकिन 1797 में आलू की खेती को बढ़ाने के लिए कई अभियान चलाए गए थे। जिसमें ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने आलू की खेती करने के लिए बीज और तोहफे तक बांटे थे। सिर्फ इतना ही नहीं मद्रास के डॉ। बेंजामिन ने खुद इसे उगाया और प्रचार किया था।

भारत का नहीं है लाल टमाटर

टमाटर को भी कई लोग देसी यानी भारत की फसल मानते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। इसकी उगाई भी दक्षिण अमेरिका के पेरू में हुई थी। आज से 2500 साल पहले मैक्सिको के नहुआ समुदाय ने सबसे पहले टमाटर की खेती करनी शुरु की थी। इसके बाद इसे यूरोप लगाया गया और फिर इटली में तो इसका चमकता रंग देखकर इसे सोने का सेब कहा जाने लगा। कई सालों के बाद टमाटर की एंट्री हुई भारत में, जिसे लाने का श्रेय पुर्तगाली व्यापारियों को जाता है। अब देखिए भारत दुनिया में टमाटर उगाने के मामले में दूसरे नंबर है।

मिर्च का इस देश से कनेक्शन

मिर्च की फसल सबसे पहले मध्य अमेरिका के मेक्सिको में की गई थी। इसकी खोज 1492 में Christopher Columbus ने अमेरिका में की थी। इसे दुनिया के कई हिस्सों तक पुर्तगाली व्यापारियों ने पहुंचाया। भारत में भी 1500 के आसपास पुर्तगाली इसे गोवा लेकर आए थे। तब इसकी खेती सिर्फ गोवा में की जाती थी। लेकिन धीरे-धीरे ये पूरे भारत में फैल गई और अब तो भारत मिर्च उगाने में सबसे आगे है। दुनियाभर में भारत को मिर्च की खेती करने में पहला स्थान प्राप्त है।

क्या है शिमला मिर्च की कहानी

शिमला मिर्च की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। इसे भी मेक्सिको और उत्तरी अमेरिका में सबसे पहले उगया था। इसकी खोज भी Christopher Columbus ने की थी। शिमला मिर्च को वहां कैप्सिकम के नाम से जाना जाता है। लेकिन जब इसे भारत लाया गया तो नाम भी बदल गया। इसे भी पुर्तगाल ही भारत लाए थे, जहां सबसे पहले इसे शिमला, डार्जिलिंग और नीलगिरी जैसी जगहों पर इसे उगाया गया था। यही वजह थी कि इसे शिमला मिर्च के नाम से जाना जाने लगा।

फूल गोभी भारत कहां से आई ?

फूल गोभी भी भारतीय नहीं है। इसकी जड़े साइप्रस द्वीप और भूमध्यसागरीय क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। भारत में इसकी एंट्री 19वीं शताब्दी में हुई थी, जिसे ब्रिटिश शासन द्वारा इंडिया लाया गया था, जहां ब्रिटिश वनस्पतिविज्ञानी डॉक्टर जेमसन ने इसे सबसे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में उगाया था। इसके बाद धीरे-धीरे पूरे भारत में इसकी खेती शुरु हो गई और अब तक भारत दुनियाभर में सबसे ज्यादा फूल गोभी और पत्ता गोभी उगा रहा है।

मक्का का है इस देश से कनेक्शन

मक्का जिसे भारत में भुट्टा भी कहते हैं असल में भारत का है ही नहीं। इसकी खेती सबसे पहले मेक्सिको में हुई थी। जहां से इसे यूरोप पहुंचाया Christopher Columbus ने। यूरोप के बाद इसे पुर्तगालियों द्वाया एशिया और अफ्रीका ले जाया गया। लेकिन यूरोपिए व्यापारी इसे भारत लेकर आए थे। भारत में इसकी खेती सबसे पहले गुजरात, पंजाब, हरियाणा और हिमालयी क्षेत्रों में शुरु हुई थी। आज मक्का उत्पादन में भारत पांचवे नंबर पर है।

गर्मियों में बनाकर पिएं ये 5 नींबू के पेय, घर में सभी को आएंगे पसंद

गर्मियों में नींबू का पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह पेट को ठंडक देने के साथ-साथ शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद कर सकता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि नींबू के पानी से कई अन्य स्वादिष्ट पेय भी बनाए जा सकते हैं? आइए आज हम आपको नींबू से बनाए जाने वाले पांच ऐसे पेय की रेसिपी बताते हैं, जो गर्मियों में आपके दिन को तरोताजा कर सकते हैं।

नींबू की चाय

नींबू की चाय एक हल्का और ताजगी भरा विकल्प है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पानी को उबालें और उसमें चायपत्ती डालें, फिर इसमें आधा नींबू निचोड़ें और थोड़ा शहद मिलाएं। इसे 5-7 मिनट तक पकने दें। अब इसे छानकर गिलास में डालें और ठंडा करने के लिए ठंडा स्थान पर रखें। आप चाहें तो इसमें पुदीने की पत्तियां भी डाल सकते हैं। यह पेय आपको दिनभर तरोताजा रखेगा और आपकी प्यास भी बुझाएगा।

नींबू और पुदीने का शरबत

नींबू और पुदीने का शरबत एक बेहतरीन पेय है, जो आपको गर्मियों के दौरान ठंडक प्रदान कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले नींबू का रस निकालें और उसमें पुदीने की पत्तियां डालें, फिर इसमें चीनी और पानी मिलाकर अच्छे से हिलाएं। इस मिश्रण को कुछ देर ठंडा स्थान पर रखें ताकि यह ठंडा हो जाए। अब इसे गिलास में डालकर ठंडा-ठंडा परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

नींबू और अदरक का शरबत

अगर आप मसालेदार स्वाद पसंद करते हैं तो यह शरबत आपके लिए एकदम सही विकल्प होगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले अदरक को कद्दूकस कर लें, फिर नींबू का रस निकालें और उसमें अदरक का पेस्ट मिलाएं। अब इसमें चीनी और पानी डालकर अच्छे से हिलाएं। इस मिश्रण को कुछ मिनट तक ठंडा स्थान पर रखें ताकि यह ठंडा हो जाए। अब इसे गिलास में डालकर ठंडा-ठंडा परोसें। यह पेय मसालेदार और सेहत के लिए फायदेमंद है।

नींबू और नारियल पानी का शरबत

यह पेय उन लोगों के लिए है जो नारियल पानी का स्वाद पसंद करते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले नारियल पानी निकालें, फिर उसमें नींबू का रस निचोड़ें और चीनी मिलाएं। अब इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं ताकि चीनी घुल जाए। इसके बाद इसे गिलास में डालकर ठंडा-ठंडा परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि पोषण भी प्रदान करता है। नारियल पानी और नींबू का मेल इसे और भी खास बनाता है।

नींबू और तुलसी का शरबत

तुलसी सेहत के लिए फायदेमंद गुणों से भरपूर होती है, इसलिए इसका शरबत बनाना बहुत अच्छा विचार हो सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तुलसी की पत्तियों को पीस लें, फिर नींबू का रस निचोड़ें और उसमें तुलसी का पेस्ट मिलाएं। अब इसमें शहद या चीनी मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करने के लिए ठंडा स्थान पर रखें। ठंडा होने पर इसे गिलास में डालकर परोसें।

क्या है ओट्ज़ेम्पिक ट्रेंड? क्या सच में वेट लॉस में करता है मदद

वेट लॉस को लेकर नए-नए ट्रेंड सामने आते रहते हैं। ऐसा ही एक ट्रेंड सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसके नाम है ओज़ेम्पिक। ये एक तरह की ड्रिंक है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि ये वेट लॉस में हेल्पफुल है। लेकिन क्या सच में ओट्ज़ेम्पिक वजन कम करती है। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं।

बढ़ता वजन आजकल एक आम समस्या बन गया है। इसे कम करने के लिए नए -नए ट्रेंड और डाइट भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती रहती है। कभी कीटो डाइट, इंटरमिटेंट डाइट और बहुत कुछ। एक बार सोशल मीडिया पर वेट लॉस के लिए एक नया ट्रेंड सामने आया है, जो खूब वायरल हो रहा है। इसका नाम है ओट्ज़ेम्पिक । सुनने में ये थोड़ा दवाई जैसा साउंड कर रहा है। लेकिन ये एक तरह का वेट लॉस फॉर्मुला बताया जा रहा है। इंस्टाग्राम पर कई रील्स सामने आई हैं, जिसमें इस फॉर्मुले को फॉलो करते हुए देखा गया है। दरअसल, ये एक तरह की ड्रिंक है। दावा किया जा रहा है कि इसे पीने से वेट लॉस में मदद मिलती है।

सोशल मीडिया पर देखा गया हर ट्रेंड फॉलो करना तब तक जरूरी नहीं होता है, जब तक उसके बारे में सही जानकारी न मिल जाए। अगर आप भी बढ़ते वजन से परेशान हैं और वजन कम करना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके बहुत काम आ सकता है।इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि ओट्ज़ेम्पिक आखिर ये ट्रेंड क्या है। इस ड्रिंक को किस चीज से तैयार किया जाता है और क्या वाकई इसे पीने से वेट लॉस होता है?

क्या है ओट्ज़ेम्पिक ट्रेंड?

आपको बता दें कि, ये कोई डाइट या फिर एक्सरसाइज नहीं बल्कि एक ड्रिंक है, जिसे आप घर पर ही आसानी से बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए के मिक्सर जार में आपको ओट्स और पानी को डालकर जूस की तरह पतला पीस लेना है। आप चाहें तो इसमें प्लांट मिल्क भी एड कर सकते हैं। इसके बाद इसमें आधा नींबू का रस मिलाएं। कुछ लोग टेस्ट को बढ़ाने के लिए इसमें हनी, दालचीनी और फ्रूट्स भी एड करते हैं। इसे सुबह खाली पेट या फिर ब्रेकफास्ट के बाद पीना फायदेमंद बताया जा रहा है। आसान शब्दों में कहें तो ये एक लो कैलोरी ड्रिंक है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करती है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दावा भी किया है कि ये ड्रिंक वेट लॉस में हेल्प करती है। लेकिन क्या वाकई ये वजन घटा रही है। चलिए जानते हैं।

क्या वेट लॉस में हेल्पफुल है ओट्ज़ेम्पिक ?

ओट्स फाइबर से भरपूर होते हैं, खासतौर पर इसमें बीटा-ग्लूकेन पाया जाता है। जो पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है। स्टडी में पाया गया है कि ओट्स खाने से पेट देर तर भरा महसूस करता है, जिससे लोगों को बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। इसके बाद आता है असली पॉइंट, भारी, ज्यादा कैलोरी वाले नाश्ते (जैसे पेस्ट्री या सॉसेज-एंड-एग्स) की जगह कम कैलोरी वाला ओट्स ड्रिंक लेना। इससे आपकी रोज की कुल कैलोरी कम हो जाती है। जिसका सीधा मतलब है कि जब शरीर में कम कैलोरी जाती है, तो वजन कम होना शुरू हो जाता है।

क्या कहती है साइंस ?

क्लीनिकल स्टडी के मुताबिक, ओट्स और फाइबर सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं। लेकिन ऐसा कोई भी सबूत नहीं मिलता है कि इन्हें एक साथ सिटरेस के साथ मिलाकर पीसने से ये वजन कम करने के लिए कोई जादुई ड्रिंक बन जाता है। हां, लेकिन हम ये जरूर मान सकते हैं कि ओट्स पेट को ज्यादा और लंबे समय तक भरा रखता है और फाइबर रिच डाइट ब्लड शुगर के साथ ही कोलेस्ट्रॉल को बेहकर करने में मददगार है। ऐसे में आपको भूख कम लगती है, जिससे वजन कंट्रोल होने में मदद मिल सकती है।

लपीजी ग्राहकों के लिए सरकार का बड़ा फरमान, घर बैठे तुरंत निपटा लें ये काम वरना बंद हो जाएगी गैस सब्सिडी और बुकिंग

देश के करोड़ों एलपीजी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं के लिए एक बेहद जरूरी और बड़ा अपडेट सामने आया है। सरकार ने गैस कनेक्शन से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए आधार आधारित ई-केवाईसी को पूरी तरह से अनिवार्य कर दिया है। नए नियमों के मुताबिक, अब हर घरेलू गैस उपभोक्ता को बायोमेट्रिक आधार वेरिफिकेशन कराना ही होगा। अगर कोई उपभोक्ता ऐसा करने में लापरवाही बरतता है, तो उसके गैस सिलेंडर की बुकिंग में रुकावट आ सकती है और खाते में आने वाली सब्सिडी पर भी हमेशा के लिए ब्रेक लग सकता है।

फर्जी कनेक्शन और ब्लैक मार्केटिंग पर लगेगी लगाम

सरकार द्वारा उठाए गए इस सख्त कदम के पीछे कई अहम कारण छिपे हैं। बाजार में गैस की बढ़ती मांग के बीच सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सही और जरूरतमंद लोगों तक ही गैस की सप्लाई सुचारू रूप से पहुंचे। इसके अलावा, इस डिजिटल प्रक्रिया से फर्जी और डुप्लीकेट गैस कनेक्शनों का पूरी तरह से खात्मा होगा और गैस की ब्लैक मार्केटिंग पर भी रोक लगेगी। दरअसल, विभागीय जांच में कई ऐसे मामले सामने आ रहे थे जहां लोग एक से ज्यादा कनेक्शन लेकर अवैध रूप से सब्सिडी का फायदा उठा रहे थे। इसी फर्जीवाड़े को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार ने यह डिजिटल वेरिफिकेशन अभियान शुरू किया है।

एजेंसी के चक्कर से मुक्ति, मोबाइल से ही पूरी होगी प्रक्रिया

उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि इस ई-केवाईसी को पूरा कराने के लिए उन्हें गैस एजेंसी के धक्के खाने या लंबी लाइनों में लगने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। आप घर बैठे अपने स्मार्टफोन से ही महज कुछ मिनटों में इस प्रक्रिया को आसानी से पूरा कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अपनी गैस कंपनी का आधिकारिक मोबाइल ऐप डाउनलोड करके अपने कंज्यूमर या मोबाइल नंबर से लॉग-इन करना होगा। इसके बाद ऐप में दिए गए ई-केवाईसी या आधार ऑथेंटिकेशन विकल्प पर जाना होगा। चेहरे से वेरिफिकेशन के लिए आपको 'आधार फेस आरडी' ऐप भी डाउनलोड करना पड़ सकता है, जिसके जरिए स्क्रीन पर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए आपका बायोमेट्रिक या फेस स्कैन पूरा हो जाएगा। इस पूरी मुफ्त प्रक्रिया को शुरू करने से पहले अपना आधार कार्ड, एलपीजी कंज्यूमर नंबर, गैस एजेंसी का नाम, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और बैंक अकाउंट की जानकारी अपने पास जरूर तैयार रखें।

ई-केवाईसी न कराने पर उठानी पड़ सकती है भारी परेशानी

एलपीजी ई-केवाईसी का सीधा मतलब यह है कि गैस कनेक्शन धारक की पहचान को डिजिटल तरीके से सत्यापित किया जा रहा है ताकि गैस कंपनियों का रिकॉर्ड अपडेट रहे और सब्सिडी सीधे सही व्यक्ति के बैंक खाते में ही जाए। अगर कोई उपभोक्ता इस अहम प्रक्रिया को अनदेखा करता है या पूरा नहीं करता है, तो उसे भविष्य में कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे उपभोक्ताओं के गैस सिलेंडर की बुकिंग में भारी दिक्कतें आ सकती हैं और उनकी सब्सिडी के पैसे खाते में आने में देरी हो सकती है। इतना ही नहीं, रिकॉर्ड अपडेट न होने की स्थिति में कुछ मामलों में सरकार द्वारा उपभोक्ता की गैस सब्सिडी को अस्थायी रूप से रोका भी जा सकता है, इसलिए बिना किसी देरी के इस प्रक्रिया को पूरा कर लेना ही समझदारी है।

ऑडी ने भारत में उतारी धांसू कार, पलक झपकते ही पकड़ती है 100 की रफ्तार, इतनी है कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में तहलका मचाने के लिए दिग्गज जर्मन कार निर्माता कंपनी ऑडी ने अपनी नई और बेहद दमदार प्रीमियम कार ऑडी एसक्यू8 (रह्वस्रद्ब स्क्त8) को लॉन्च कर दिया है। रफ्तार और लग्जरी के शौकीनों के लिए यह कार एक बेहतरीन सौगात है। कंपनी ने अपनी इस नई पेशकश को स्टैंडर्ड क्यू8 (क्त8) और टॉप मॉडल आरएस क्यू8 (क्रस् क्त8) के बीच के खाली गैप को भरने के लिए बाजार में उतारा है। इस धांसू एसयूवी में 4 लीटर का दमदार ट्विन-टर्बो वी8 इंजन दिया गया है, जो इसके टॉप मॉडल आरएस क्यू8 में भी मिलता है, हालांकि एसक्यू8 के लिए इसे थोड़ा डीट्यून किया गया है। कार की आधिकारिक बुकिंग शुरू हो चुकी है।

कीमत में स्टैंडर्ड मॉडल से 65 लाख रुपये महंगी

ऑडी ने अपनी इस शानदार एसक्यू8 को 1.78 करोड़ रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर भारतीय बाजार में उतारा है। कीमत की तुलना करें तो, ऑडी की स्टैंडर्ड क्यू8 की कीमत 1.13 करोड़ रुपये है, जबकि इसके हाई-परफॉर्मेंस आरएस क्यू8 मॉडल की कीमत 2.34 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) है। इस लिहाज से नई एसक्यू8 अपने स्टैंडर्ड ट्रिम के मुकाबले 65 लाख रुपये महंगी है, लेकिन टॉप परफॉर्मेंस ट्रिम से करीब 56 लाख रुपये सस्ती भी है, जो इसे ग्राहकों के लिए एक परफेक्ट मिडल ग्राउंड बनाता है।

महज 4.1 सेकंड में 100 की स्पीड, इंजन में है जबरदस्त पावर

नई ऑडी एसक्यू8 की सबसे बड़ी खासियत इसका पावरफुल इंजन और तेज रफ्तार है। इसमें दिया गया 4 लीटर का ट्विन टर्बो वी8 इंजन 507 एचपी की जबर्दस्त पावर और 770 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस दमदार इंजन को 8-स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है, जो कार के सभी पहियों (ऑल व्हील ड्राइव) तक पावर पहुंचाता है। कंपनी का दावा है कि यह भारी-भरकम एसयूवी सिर्फ 4.1 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है और इसकी टॉप स्पीड 250 किलोमीटर प्रति घंटे तक सीमित की गई है। बेहतरीन राइड क्वालिटी के लिए कार में एयर सस्पेंशन और स्टैंडर्ड रूप से मैट्रिक्स एलईडी हेडलाइट्स के साथ हेडलाइट वॉशर जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं।

प्रीमियम डिजाइन के साथ एडवांस सेफ्टी

कार के एक्सटीरियर और इंटीरियर को बेहद स्पोर्टी और लग्जरी लुक दिया गया है। इसके पिछले हिस्से में कनेक्टेड ओएलईडी टेल-लाइट सेटअप, रूफ माउंटेड स्पॉयलर और ब्लैक एसक्यू8 की खास बैजिंग इसे सड़क पर अलग पहचान देती है। केबिन के अंदर 12.3-इंच का बड़ा ड्राइवर डिस्प्ले, 10.1-इंच का टच स्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 4-जोन क्लाइमेट कंट्रोल को ऑपरेट करने के लिए 8.6-इंच की टचस्क्रीन स्क्रीन दी गई है। मनोरंजन के लिए 17-स्पीकर वाला दमदार ऑडियो सिस्टम, पैनोरोमिक सनरूफ और वायरलेस फोन चार्जिंग जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। वहीं, सुरक्षा के लिहाज से इस कार में 8 एयरबैग, 360 डिग्री कैमरा और लेवल-2 ्रष्ठ्रस् (एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) तकनीक दी गई है।

HSBC में 20 हजार नौकरियों पर लटकी तलवार, बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी?

आईएएनएस नई दिल्ली। लंदन मुख्यालय वाला निवेश बैंक एचएसबीसी आने वाले वर्षों में बड़े स्तर पर कर्मचारियों की संख्या घटाने (HSBC Layoff) पर विचार कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एचएसबीसी के सीईओ जॉर्जेस एलहेडरी बैंक के कामकाज को ज्यादा आसान और तेज बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल बढ़ाना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार खास तौर पर वे नौकरियां ज्यादा प्रभावित हो सकती हैं जो सीधे ग्राहकों से जुड़ी नहीं हैं, जैसे मिडिल और बैक-ऑफिस के काम। हालांकि इस पर अभी शुरुआती स्तर पर ही चर्चा चल रही है और कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस बदलाव से करीब 20,000 नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं, जो बैंक के कुल वैश्विक कर्मचारियों का लगभग 10 प्रतिशत है। हालांकि बैंक की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

बताया गया है कि इस तरह के बदलाव पर चर्चा मध्य-पूर्व में हालिया तनाव बढ़ने से पहले ही शुरू हो गई थी। साल 2024 में सीईओ बनने के बाद जॉर्ज एलहेडरी ने बैंक में बड़े स्तर पर बदलाव शुरू किए हैं, जिसमें पहले ही हजारों कर्मचारियों की छंटनी, कुछ कारोबारों की बिक्री, विलय और बंद करने जैसे फैसले शामिल हैं।

बैंक में कितने कर्मचारी?

2025 के अंत तक एचएसबीसी में करीब 2,10,000 कर्मचारी थे। अब बैंक यह भी देख रहा है कि जिन पदों पर कर्मचारी खुद नौकरी छोड़ते हैं, उन्हें दोबारा भरा जाए या नहीं। इसके अलावा कुछ नौकरियां कारोबार बंद करने या बेचने से भी खत्म हो सकती हैं।

यह कदम वैश्विक बैंकिंग सेक्टर में तेजी से बढ़ रहे उस ट्रेंड को दिखाता है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण काम करने के तरीके और कर्मचारियों की जरूरत बदल रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आने वाले तीन से पांच वर्षों में दुनिया भर के बैंक लगभग 2 लाख नौकरियां खत्म कर सकते हैं, क्योंकि कई काम अब मशीनें और एआई करने लगेंगी।

नेतन्याहू ने ट्रंप को झूठा साबित होने से बचाया! जिस हमले से पूरी दुनिया में बज गए फोन उसकी खुद ली जिम्मेदारी

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को तीन हफ्ते हो गए हैं। कम होने के बजाय युद्ध विकरात रूप लेता जा रहा है। अब निशाने पर गैस और तेल के ठिकाने हैं। इजराइल ने ईरान के सबसे बड़े गैस प्लांट साउथ पार्स पर हमला किया, तो पलटवार करते हुए ईरान ने कुवैत, सऊदी और यूएई में गैस प्लांट पर ड्रोन दाग दिए। इस घटनाक्रम ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी। कच्चे तेल और गैस के दाम अचानक बढ़ गए, शेयर मार्केट में गिरावट आ गई। दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्ष आपस में बातचीत करने लगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सरेआम ये कहा कि उन्हें इजराइल के इस हमले की जानकारी नहीं है और वो इजराइल से कहेंगे कि वो अब एनर्जी ठिकानों पर अटैक न करे। ट्रंप के इस बयान का इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी सही बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के गैस क्षेत्र पर इजराइल ने अकेले ही कार्रवाई की और अब वो हमले नहीं करेंगे क्योंकि ट्रंप ने अनुरोध किया है कि ऊर्जा ठिकानों पर हमले न किए जाएं।

नेतन्याहू के इस बयान ने ट्रंप के दावे को गलत साबित होने से बचा लिया। हाल में कई ऐसे घटनाक्रम हुए हैं जिनसे ये साबित हुआ है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमलों को लेकर कई तरह के झूठ बोले। ताजा बयान में अमेरिकी इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड ने कहा है कि ईरान पर हमले का अमेरिका और इजराइल का मकसद अलग-अलग था। उन्होंने ये भी कहा कि वहां के नेताओं को मारना उनका मकसद नहीं था बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और नेवी को टारगेट करना था। जबकि ईरान पर हमला करने के बाद जब सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत हुई तो ट्रंप ने इस पर जश्न मनाया। वो अब भी कह रहे हैं कि ईरान में नया सुप्रीम लीडर उनके हिसाब से बनेगा। जबकि ईरान ने मुज्तबा खामेनेई को सुप्रीम लीडर बना दिया है।

साउथ पार्स पर हमले ने बढ़ाई दुनिया में चिंता

दुनिया में 5वां हिस्सा तेल ट्रांसपोर्ट का होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से किया जाता है। इस रास्ते को सीमित करने की वजह से वैसे ही दुनिया के कई देशों के बीच तेल का संकट गहराया हुआ है। ऐसे में दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस साउथ पार्स पर इजराइल की तरफ से किए गए हमले ने दुनिया के कई देशों की टेंशन बढ़ा दी। इस हमले ने ऊर्जा बाजारों और वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल मचा दी है।

इजराइल के हमले के बाद इस्लामिक गणराज्य की जवाबी कार्रवाई से ईंधन की कीमतें और भी ज्यादा बढ़ गईं। ब्रेंट क्रूड ऑयल का अंतरराष्ट्रीय मानक कुछ समय के लिए 119 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चला गया, जो युद्ध शुरू होने के बाद से 60 प्रतिशत से भी ज्यादा की बढ़ोतरी है। यहां इस बात का भी खतरा पैदा हो गया कि ईरान के अरब पड़ोसी भी सीधे तौर पर इस संघर्ष में शामिल हो सकते हैं।

दुनिया में बजने लगे फोन

इस हमले के बाद दुनिया के कई देशों के पास फोन बजने लगे। पीएम मोदी ने कतर, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया और ओमान के नेताओं से बात की। पीएम मोदी ने बताया कि मैंने अपने प्रिय मित्र, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से पश्चिम एशिया की स्थिति और तनाव कम करने की तत्काल जरूरत के साथ ही बातचीत और कूटनीति की ओर लौटने के विषय पर बात की।

एनर्जी ठिकानों पर हमले पर भारत का रुख क्या?

विदेश मंत्रालय (MEA) ने 19 मार्च को खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमलों को बेहद चिंताजनक बताया। MEA के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इन हमलों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को निशाना न बनाने की नई दिल्ली की अपील को फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह के हमलों से विश्व के ऊर्जा प्रवाह की स्थिति और ज्यादा बिगड़ सकती है। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले भी इस पूरे क्षेत्र के बुनियादी ढ़ांचे को निशाना न बनाने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर ऊर्जा प्रतिष्ठानों के खिलाफ हाल ही में हुए हमले काफी परेशान करने वाले हैं। रणधीर जयसवाल ने स्वीकार किया कि होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट का असर अब सप्लाई पर पड़ने लगा है।

ईरान ने क्या की जवाबी कार्रवाई?

ईरान ने बुधवार को अपने 'साउथ पार्स' गैस क्षेत्र पर हुए इजराइल हमले के जवाब में दुनिया की सबसे बड़ी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) सुविधा 'रास लफ़ान रिफाइनरी' पर हमला किया। रास लफान और दूसरी ऊर्जा सुविधाओं पर हुए इन हमलों के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें एक समय 10% से भी ज्यादा बढ़कर $119 प्रति बैरल के पार पहुंच गई थीं, जिसमें बाद में कुछ गिरावट देखी गई।

ट्रंप के झूठ का अमेरिका ने ही किया पर्दाफाश

दुनिया में अमेरिका ने ईरान पर हमले की वजह बताई कि वो परमाणु हथियार बना रहा है, जिसकी वजह से वैश्विक शांति को खतरा है। वहीं 19 मार्च को अमेरिका की मौजूदा डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस तुलसी गबार्ड ने कहा कि जून 2025 में अमेरिका के हमलों में ईरान के न्यूक्लियर एनरिचमेंट प्रोग्राम पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया था।

ईरान की जड़ पर वार, एक भी हथियार चलाए बिना तेहरान से ऐसे बदला ले रहा यूएई

सऊदी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान से बदला लेना शुरू कर दिया है। वो भी बिना हथियार या मिसाइल चलाए हुए। शुक्रवार (20 मार्च) को यूएई ने ईरान और हिजबुल्लाह से जुड़े 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया। ये सभी सदस्य यूएई में रहकर हिजबुल्लाह और ईरान के बीच फंड का इंतजाम कर रहे थे। इन सदस्यों की गिरफ्तारी ईरान और हिजबुल्लाह के लिए बड़ा झटका है। क्योंकि, जंग के बीच हिजबुल्लाह ईरान के लिए इजराइल से लड़ रहा है। खलीज टाइम्स के मुताबिक यूएई की सुरक्षा एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से काम कर रहे हिजबुल्लाह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यूएई की सुरक्षा एजेंसी ने दावा किया है कि उसने इन गिरफ्तारियों के जरिए एक आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। यूएई की सुरक्षा एजेंसी का कहना है कि ये सभी सदस्य दुबई और अबू धाबी में बैठकर दुनिया की अर्थव्यवस्था में घुसपैठ कर रहे थे। इनकी कोशिश जंग के दौरान दुनिया की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की थी। ये अपने मकसद में अगर कामयाब हो जाते तो इससे यूएई की अर्थव्यवस्था भी चौपट हो सकती है।

यूएई में हिजबुल्लाह काफी समय से एक्टिव रहा है। हाल ही के दौरान हिजबुल्लाह के कई नेताओं ने यूएई का दौरा किया था, लेकिन जंग के बीच इस आतंकी संगठन पर कार्रवाई कर यूएई ने ईरान को सीधा संदेश दे दिया है। हिजबुल्लाह का अगर फंड पर अगर हमला होता है तो संगठन लड़ाई में कमजोर पड़ सकता है।

ईरान की जड़ पर वार क्यों?

ईरान हिजबुल्लाह, हूती और हमास जैसे प्रॉक्सी संगठन तैयार कर पूरे मिडिल ईस्ट को अस्त-व्यस्त करता रहा है। उसके इस काम में यूएई की मदद मिलती रही है। दरअसल, यूएई पर्दे के पीछे से हिजबुल्लाह के फंड को इधर-उधर करने में काफी बड़ी भूमिका निभाता रहा है। यूएई में हिजबुल्लाह के लोग लंबे वक्त से एक्टिव हैं। वो भी तब, जब 2016 में यूएई ने हिजबुल्लाह को अमेरिका के दबाव में आतंकी संगठन घोषित किया था।

इतना ही नहीं, यूएई तेल को अवैध रूप से बेचने में भी ईरान की मदद करता रहा है, लेकिन अब जिस तरीके से उसके ऊपर ईरान ने हमला किया है, उससे यूएई काफी नाराज है। खाड़ी देशों की स्ट्रेटजी की वजह से यूएई ईरान पर सीधा मिसाइल हमला नहीं कर रहा है, लेकिन पर्दे के पीछे से अबू धाबी अब ईरान को नुकसान

ईरान के पिटारे से निकली नसरल्लाह मिसाइल, इजराइल के तेल रिफाइनरी को किया धुआं धुआं!

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर(IRGC) ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4' के तहत 65वीं वेव में बड़ा मिसाइल हमला किया। इस हमले की सबसे खास बात थी कि इसमें पहली बार नसरल्लाह बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। जिसे ईरान ने अपनी नई सैन्य क्षमता के तौर पर पेश किया है।

यह हमला इज़राइल के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हुए हमले के जवाब में किया गया बताया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में ऊर्जा और सैन्य टकराव और तेज हो गया है।

ईरान ने इस नई मिसाइल का नाम मारे गए हिज़्बुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह के नाम पर रखा है, जिसे प्रतीकात्मक बदला माना जा रहा है। नसरल्लाह मिसाइल को ईरान की पुरानी Qadr सीरीज का एडवांस संस्करण बताया जा रहा है।

कइस मिसाइल में एक साथ कई वारहेड ले जाने की क्षमता है। इससे एक ही मिसाइल से कई टारगेट पर हमला किया जा सकता है या एक मजबूत लक्ष्य (जैसे बंकर/रिफाइनरी) को भेदा जा सकता है। नई गाइडेंस तकनीक के कारण यह मिसाइल पहले की तुलना में ज्यादा सटीक मानी जा रही है। इसे खास तौर पर ऑयल रिफाइनरी, एयरबेस, कमांड सेंटर जैसे महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमला करने के लिए तैयार किया गया है। इसकी रेंज 1500 से 2000 किलोमीटर या उससे अधिक हो सकती है। इससे ईरान से इजराइल और खाड़ी क्षेत्र के अमेरिकी ठिकानों तक आसानी से हमला संभव है। बैलिस्टिक मिसाइल होने के कारण इसकी स्पीड बहुत तेज लगभग Mach 5+ होती है, जिससे इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। यह इजराइल के आयरन डोम और अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली जैसे एयर डिफेंस सिस्टम के लिए भी चुनौती बन सकती है।

नसरल्लाह मिसाइल को अकेले नहीं, बल्कि अन्य मिसाइलों और ड्रोन के साथ मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को ओवरलोड करना आसान हो जाता है। इस मिसाइल का पहला इस्तेमाल 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4'के तहत कल किया गया, जब IRGC ने बड़े पैमाने पर इज़राइल में मिसाइल हमले किए। ईरान ने इसे नई युद्ध क्षमता का प्रदर्शन बताया है। ईरान की यह मिसाइल प्रिसीजन + मल्टी-वारहेड + लॉन्ग रेंज का कॉम्बिनेशन है। ऊर्जा ठिकानों (oil/gas) को निशाना बनाने की क्षमता के साथ क्षेत्रीय युद्ध को और व्यापक बना सकती है। यह मिसाइल Middle East में सैन्य संतुलन बदल सकती है और भविष्य में बड़े संघर्ष का कारण बन सकती है।

जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी, मुर्शिदाबाद के इस्माइल ने पीए को लगाया था फोन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और आरएलडी नेता जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी मिली थी। उन्हें ये धमकी 18 मार्च को दी गई थी। धमकी देने वाले ने जयंत चौधरी के PA विश्वेन्द्र शाह को फोन किया। बाद में व्हाट्सऐप के जरिए भी धमकी दी। कॉल करने वाले शख्स की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के 'इस्माइल' के रूप में बताई गई। धमकी देने वाले ने फोन पर बताया कि उसके पास केंद्रीय मंत्री के आधिकारिक दौरे की योजना की एक कॉपी भी है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और पश्चिम बंगाल पुलिस भी इस मामले की जांच में जुटी है। चौधरी 2024 तक अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (SP) के साथ गठबंधन में थे। लेकिन, लोकसभा चुनावों से ठीक पहले जब मोदी सरकार ने चौधरी के दादा और पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को 'भारत रत्न' देने का फैसला किया, तो उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के साथ हाथ मिलाने का फैसला कर लिया। RLD प्रमुख ने कहा कि केंद्र सरकार ने 'भारत रत्न' की घोषणा करके उनका दिल जीत लिया। उन्होंने सोशल मीडिया X पर "दिल जीत लिया" का पोस्ट भी किया था। बाद में संसदीय चुनावों में NDA की जीत के बाद, चौधरी मोदी सरकार 3.0 में कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बने। वो फिलहाल राज्यसभा के सदस्य हैं।

2017 के चुनाव में 33 सीटों पर चुनाव लड़ा था

2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में RLD ने SP के साथ गठबंधन में 33 सीटों पर चुनाव लड़ा और 8 सीटें जीतीं। बाद में पार्टी ने खतौली उपचुनाव भी जीता और अपनी सीटों की संख्या बढ़ाकर 9 कर ली। अब यह पार्टी राज्य में योगी आदित्यनाथ सरकार का हिस्सा है और इसके विधायक अनिल कुमार विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हैं। जयंत चौधरी ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि किसान, किसान उत्पादक संगठनों के ज़रिए बेहतर बाजारों तक पहुंच बनाकर अपने कारोबार का विस्तार कर सकते हैं और आर्थिक रूप से मजबूत बनने के लिए उन्हें संगठित तरीके से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को आसानी से कर्ज देने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ा दी है, लेकिन इन योजनाओं का पूरा फायदा तभी मिलेगा जब किसान जागरूक होंगे और समूहों में मिलकर काम करेंगे।

परिवार वाले फांसी पर लटका देंगे... बचने के लिए कपल की सुप्रीम कोर्ट में याचिका, जवाब मिला- हाई कोर्ट से संपर्क करिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग की आशंका जाहिर करने वाले एक कपल की याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से साफ इंकार कर दिया है। इसके साथ ही उन्हें तत्काल राहत के लिए दिल्ली हाई कोर्ट जाने की सलाह दी। यह फैसला सीजेआई की बेंच ने सुनाया है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई को लेकर कहा कि ऐसे मामलों में हाई कोर्ट सबसे उपयुक्त मंच है। इसके साथ ही पीड़ित वहां सुरक्षा के लिए गुहार लगा सकते हैं। वहां आसानी से आपकी बात को सुना जा सकता है।

सुनवाई के दौरान कपल ने क्या दी दलील?

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कपल के वकील ने अदालत को बताया कि दोनों को अपने परिवार से गंभीर धमकियां मिल रही हैं। इसके साथ ही उन्हें फांसी पर लटकाने की धमकियां दी जा रही हैं। यह एक बार नहीं बल्कि बार-बार दी जा रही हैं। इसके साथ ही यह आरोप लगाया गया कि नई दिल्ली के तिलक मार्ग थाने में पुलिस ने दोनों को हिरासत में भी लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन का अधिकार सर्वोपरि है और ऐसे मामलों में किसी भी हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि हाई कोर्ट में सुनवाई नहीं होती, तो याचिकाकर्ता दोबारा सुप्रीम कोर्ट आ सकते हैं। बेंच ने इस मामले की सुनवाई के दौरान यह संकेत दिया कि भविष्य में ऐसे मामलों में जरूरत पड़ने पर दिशा-निर्देश भी जारी किए जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सीधे सुनवाई करने से इनकार करते हुए कपल को पहले हाई कोर्ट जाने का रास्ता दिखाया, साथ ही यह भी साफ किया कि ऐसे मामलों में अदालतें जीवन और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। मतलब साफ है कि अब कपल हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है।

ऋतिक रोशन और प्राइम वीडियो की नई पारी, मेस के लिए आए साथ, किया कॉमेडी फिल्म का एलान

प्राइम वीडियो की यह आने वाली ऑरिजनल फिल्म मेस, ऋतिक रोशन और ईशान रोशन द्वारा उनके बैनर एचआरएक्स फिल्म्स (फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस की एक डिवीजन) के तहत बनाई जा रही है। इस प्रोजेक्ट में राजेश ए। कृष्णन की सोडा फिल्म्स लैब भी उनके साथ जुड़ी है। राजेश ए। कृष्णन के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म का प्रोडक्शन जल्द ही शुरू होने वाला है। प्राइम वीडियो ने आज अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल फिल्म मेस का एलान किया है। यह कॉमेडी फिल्म स्ट्रीमिंग सर्विस और एचआरएक्स फिल्म्स (फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस की एक डिवीजन) के बीच दूसरा कोलैबोरेशन है, इससे पहले थ्रिलर सीरीज स्टॉर्म का एलान हो चुका है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन द्वारा एचआरएक्स फिल्म्स के बैनर तले और राजेश ए कृष्णन की सोडा फिल्म्स लैब के साथ मिलकर बनाई गई इस फिल्म का निर्देशन खुद कृष्णन ही कर रहे हैं। इस फिल्म की ओरिजिनल पटकथा अमेरिकी लेखक पॉल सोटर ने लिखी है, जबकि अडैप्टेड स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स कपिल सावंत ने लिखे हैं।

मेस की कहानी लुटेरों के एक ऐसे अजीबोगरीब ग्रुप के बारे में है, जो एक ओसीडी से पीड़ति आदमी के घर में घुस जाते हैं। धीरे-धीरे उन्हें एहसास होता है कि खतरा उस परिवार को नहीं, बल्कि खुद उन्हें है और इस रात भर चलने वाली खींचतान में उनका बचना मुश्किल है। निखिल मधोक (डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो इंडिया) ने कहा, एक अच्छी कहानी की पहचान यह है कि वह आपको हैरान कर दे और अंत तक आपका मनोरंजन करे। मेस के साथ हमारे पास एक ऐसी कहानी है जो न सिर्फ यह सब करती है, बल्कि आपको हर मोड़ पर हंसाती भी है। उन्होंने आगे बताया, इस फिल्म का कॉन्सेप्ट बहुत ही नया और फ्रेश है और इसके किरदार भी काफी मजेदार हैं।

ऋतिक और ईशान, अपनी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स के जरिए, कहानी कहने की एक गहरी समझ और जुनून साथ लाते हैं। स्टॉर्म के बाद, इस फिल्म के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। राजेश ए। कृष्णन इस जॉनर (कॉमेडी) के माहिर खिलाड़ी हैं और हमें यकीन है कि मेस एक ऐसी फिल्म साबित होगी जिसे भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के दर्शक पसंद करेंगे। प्रोड्यूसर ऋतिक रोशन ने कहा, स्टॉर्म के साथ प्राइम वीडियो के साथ एक खास सफर की शुरुआत हुई थी और मेस हमारी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स के लिए एक अगला और स्वाभाविक कदम है। उन्होंने आगे कहा, प्राइम वीडियो के साथ हमारी साझेदारी ने हमें कुछ अलग और नया कर दिखाने का मौका दिया है, और यह प्रोजेक्ट उसी सोच को पूरी तरह से दर्शाता है। राजेश (राजेश ए। कृष्णन) एक प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के तौर पर अपनी एक अलग पहचान रखते हैं। उनके पास कॉमेडी को एक बेहतरीन कहानी के साथ जोड़ने का शानदार हुनर है। मेस के लिए उनका नजरिया शुरू से ही कमाल का रहा है। जैसे-जैसे फिल्म का काम आगे बढ़ रहा है, मैं और ईशान इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं। हमारा मानना है कि यह फिल्म उन दर्शकों को बहुत पसंद आएगी जो लीक से हटकर और नई तरह की कहानियों को देखना पसंद करते हैं।

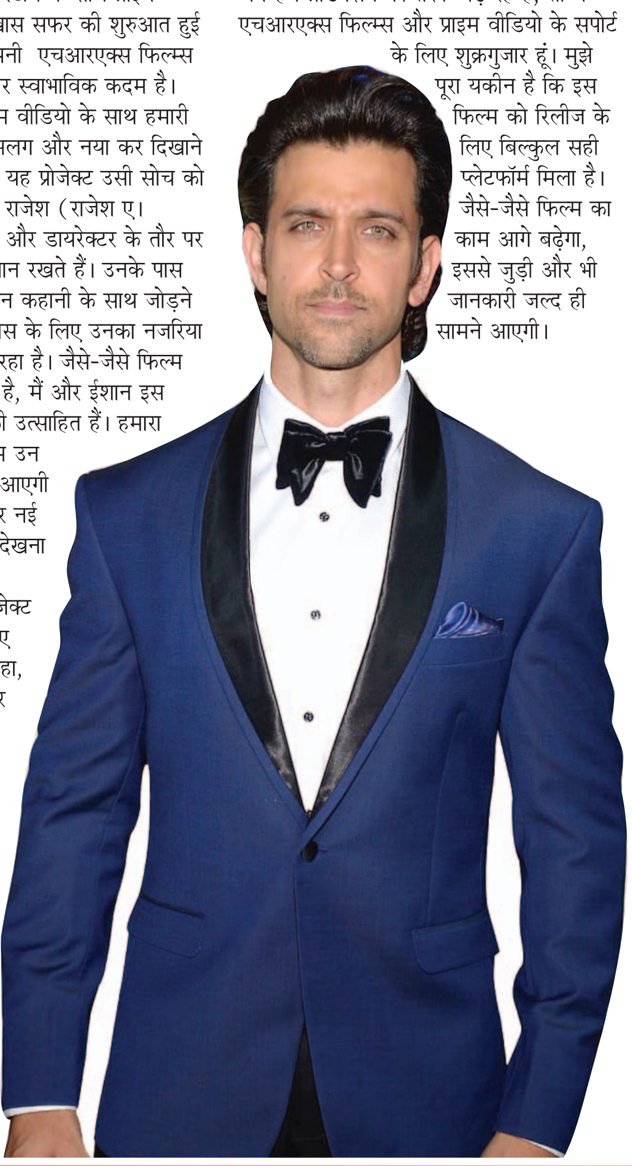

इस आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए राजेश ए। कृष्णन ने कहा, कपिल के साथ मिलकर मेस को तैयार करना वाकई एक शानदार अनुभव रहा है। उनके साथ फिर से काम करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म की दुनिया कॉमेडी और अफरा-तफरी का एक रोमांचक मेल है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने के लिए काफी है।

यह फिल्म मेरे लिए क्रिएटिव तौर पर बहुत संतोषजनक रही है। उन्होंने आगे कहा, ऋतिक और ईशान ने अपनी समझ और भरोसे से इस फिल्म को और बेहतर बनाया है और हमारे पास काम करने के लिए एक ड्रीम कास्ट है। अब जब हम प्रोडक्शन की तरफ बढ़ रहे हैं, तो मैं एचआरएक्स फिल्म्स और प्राइम वीडियो के सपोर्ट के लिए शुक्रगुजार हूं। मुझे पूरा यकीन है कि इस फिल्म को रिलीज के लिए बिल्कुल सही प्लेटफॉर्म मिला है। जैसे-जैसे फिल्म का काम आगे बढ़ेगा, इससे जुड़ी और भी जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

'हर सिक्के के दो पहलू होते हैं', डेजी शाह ने पलाश और स्मृति के फिर साथ आने की जताई उम्मीद, कहा– प्यारी जोड़ी

संगीतकार और निर्देशक पलाश मुछाल और क्रिकेटर स्मृति मंधाना उस समय काफी सुर्खियों में थे, जब उनकी शादी रद्द हो गई थी। हालांकि, अब दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। हाल ही में पलाश की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली डेजी शाह ने पलाश मुछाल और स्मृति को लेकर बात की। हालांकि, उन्होंने दोनों के निजी जीवन को लेकर कुछ भी आंकलन करने से परहेज किया। क्योंकि उनका मानना है कि उन्हें पर्दे के पीछे की कहानी नहीं पता है।

मिस मालिनी के साथ बातचीत में डेजी शाह ने बताया कि स्मृति मंधाना से शादी रद्द होने के बाद पलाश ने अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए उनसे सीधे संपर्क करने में हिचकिचाहट दिखाई। डेजी पलाश की अगली निर्देशित फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं।

डेजी ने खुलासा किया कि उन्हें दो-तीन अनजान लोगों के फोन आए, जिन्होंने दावा किया कि पलाश एक फिल्म बना रहे हैं और उन्हें उसमें लेना चाहते हैं। हालांकि, उन्हें यह तरीका अजीब लगा, क्योंकि उनकी पलाश की बहन पलक से गहरी दोस्ती है। इसलिए एक्ट्रेस ने कहा कि अगर पलाश सच में उनसे संपर्क करना चाहते, तो वे सीधे उनसे या पलक के माध्यम से संपर्क करते। इसलिए यह समझ से परे है कि अजनबी लोग यह संदेश क्यों पहुंचा रहे हैं।

ऐसे हुई डेजी की फिल्म में एंट्री

अभिनेत्री ने आगे बताया कि इसके बाद मैंने पलाश को एक मैसेज भेजा, जिसमें मैंने इस बारे में पूछा। तब उन्होंने कहा, 'जी मैडम, यह सच है, लेकिन हाल की परिस्थितियों के कारण, मैं व्यक्तिगत रूप से किसी को फोन नहीं कर रहा हूं क्योंकि बात बिल्कुल अलग मोड़ ले सकती है।' बाद में उन्होंने कहानी सुनाई और मैंने इस प्रोजेक्ट में आगे बढ़ने में अपना इंटरेस्ट दिखाया।

मुझे नहीं पता असलियत क्या है

पलाश के निजी जीवन को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं निजी जीवन से पेशेवर जीवन में आसानी से ध्यान दे सकती हूं। मुझे नहीं लगता कि निजी जीवन का पेशेवर जीवन पर कोई असर पड़ना चाहिए। सबसे पहले तो, मुझे नहीं पता कि असलियत क्या है। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं।

हमें सच में नहीं पता कि क्या गड़बड़ हुई क्योंकि यह दो परिवारों के बीच का मामला है। हम यहां बैठकर मीडिया से सुनी बातों के आधार पर राय बना रहे हैं। हमें नहीं पता कि असल सच्चाई क्या है, और इसका मतलब यह नहीं है कि मैं महिला पक्ष की बात को नकार रही हूं। मैं बस निष्पक्ष हूं।

साथ ही, उन्होंने मुझसे पेशेवर तौर पर संपर्क किया था। तो मैं भला किसी को उसके बाहरी रूप से आंकने वाली कौन होती हूं? मैं उम्मीद करती हूं कि दोनों पक्षों में सब कुछ ठीक हो जाए। वे एक साथ आ जाएं क्योंकि वे वास्तव में एक प्यारी जोड़ी हैं।

23 नवंबर को होनी थी पलाश-स्मृति की शादी

पलाश और स्मृति की शादी पिछले साल 23 नवंबर को होने वाली थी, लेकिन स्मृति के पिता की मेडिकल इमरजेंसी के कारण समारोह अचानक स्थगित कर दिए गए। चिंता तब और बढ़ गई जब पलाश को भी मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इसके बाद अफवाहें फैलने लगीं, कुछ लोगों ने तो यहां तक आरोप लगाया कि पलाश ने स्मृति को धोखा दिया है। बाद में पलाश और स्मृति ने बयान जारी करके अपनी शादी खत्म होने की जानकारी दी। साथ ही लोगों से अफवाहें न फैलाने और प्राइवेसी का ध्यान रखने की अपील की।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com